website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 213 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 12 जुलाई 2025 | मूल्यः 1.50 रुपये

'राइजिंग राजस्थान' एमओयू समीक्षा बैठक

-मिशन मोड पर काम सौर व बैटरी स्टोरेज ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बनाएं रोडमैप - भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। इस लक्ष्य को पूरा करने में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित निवेश एमओयू की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकता को प्राथमिकता देते हुए इन निवेश एमओयू में शामिल सौर व बैटरी स्टोरेज आधारित परियोजनाओं के विकास के लिए विशेष रोडमैप तैयार किया जाए।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एमओयू के समयबद्ध क्रियान्वयन से प्रदेश के आर्थिक विकास को गति मिल रही है। उन्होंने अधिकारियों को निवेश समझौतों की प्रगति के लिए मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता से एमओयू क्रियान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के दौरान हुए एमओयू की समीक्षा के लिए त्रि-स्तरीय व्यवस्था की गई है। जिसके तहत 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि वाले एमओयू की समीक्षा प्रतिमाह नियमित रूप से मुख्यमंत्री स्वयं कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौतों में से अब तक 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है।

निवेशकों से रखें संवाद, प्रगति से कराएं अवगत

उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान बनाने के लक्ष्य को साकार करने में निवेश का अहम योगदान है। राज्य सरकार निवेशकों को हर संभव सहायता उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों से निरंतर संवाद स्थापित रखें और मॉनिटरिंग करते हुए प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही, उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव स्तर पर नियमित रूप से अक्षय ऊर्जा से संबंधित एमओयू की नियमित समीक्षा की जाए।

एकीकृत पावर कॉरिडोर अपनाने के हो प्रयास

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अक्षय ऊर्जा आधारित परियोजनाओं पंप स्टोरेज तथा बैटरी स्टोरेज जैसे प्रोजेक्ट्स पर भी जोर दे रही है। प्रदेश में 6 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकसित की जाने वाली सौर व बैटरी स्टोरेज परियोजनाओं के संबंध में विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाए तथा इसके लिए एकीकृत पावर कॉरिडोर सहित अन्य नवाचारों को अपनाए जाने के प्रयास किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने बैठक में सौर ऊर्जा, कॉम्प्रेस्ड बायो गैस व बायो फ्यूल प्रोजेक्ट्स की बिंदुवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रगतिरत एमओयू के क्रियान्वयन में तेजी लाने एवं शेष रहे एमओयू के श्रेणीवार विभाजन के साथ तय समय सीमा में धरातल पर लागू करने के संबंध में निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री रोजगार मेले के अंतर्गत युवाओं को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को सुबह लगभग 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर वे नियुक्त लोगों को संबोधित भी करेंगे।

रोज़गार मेला, रोज़गार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक पहल है। रोज़गार मेला युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश भर में रोज़गार मेलों के माध्यम से अब तक 10 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। 16वां रोज़गार मेला देशभर के 47 स्थोलों पर आयोजित किया जाएगा। ये नियुक्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हो रही हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय सहित अन्य विभागों और मंत्रालयों में शामिल होंगे।

आईसीजी ने अमेरिकी नौका से दो चालक दल सदस्यों को बचाया

दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने गुरुवार को अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के इंदिरा पॉइंट के दक्षिण-पूर्व में लगभग 52 समुद्री मील की दूरी पर फंसे अमेरिकी नौकायन पोत 'सी एंजल' के लिए एक बचाव अभियान चलाया। इस नौका में दो चालक दल सदस्य सवार थे, और यह अत्यंत खराब मौसम स्थितियों में एक फटी हुई पाल और उलझे हुए प्रोपेलर के कारण अक्षम हो गई थी।

संकट चेतावनी प्राप्त होते ही, एमआरसीसी पोर्ट ब्लेयर ने सभी निकटवर्ती व्यापारी जहाजों को सतर्क किया और बचाव समन्वय प्रोटोकॉल शुरू किए। इसके अतिरिक्त, आईसीजी पोत 'राजवीर' को तैनात किया गया और पोत ने फंसे हुए चालक दल के साथ संचार स्थापित किया तथा स्थल पर आकलन किया। तेज हवाओं और यांत्रिक अक्षमता के बावजूद, चालक दल सुरक्षित और स्वस्थ पाया गया। शुक्रवार की सुबह, नौका को सफलतापूर्वक खींचकर कैंपबेल बे बंदरगाह तक पहुंचाया गया।

थप्पड़ कांड के आरोपी नरेश मीणा को हाईकोर्ट से जमानत

-8 महीने बाद जेल से आएंगे बाहर; कोर्ट रूम के बाहर भावुक हुए वकील

जयपुर/टोंक। देवली-उनियारा उपचुनाव 2024 में उपखंड अधिकारी (SDM) को थप्पड़ मारने के मामले में जेल में बंद निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार सुबह हाईकोर्ट ने थप्पड़ कांड के बाद हुई आगजनी और तोड़फोड़ के केस में उन्हें जमानत दे दी।

नरेश मीणा को थप्पड़ मारने के केस में पहले ही जमानत मिल चुकी थी, लेकिन आगजनी और हिंसा के मामलों में जमानत नहीं मिलने से वह 8 महीने से जेल में बंद थे। हाईकोर्ट के फैसले के बाद उनके जल्द रिहा होने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, शुक्रवार को ही उनके जेल से बाहर आने की संभावना कम बताई जा रही है, क्योंकि कागजी कार्रवाई में समय लग सकता है।

कोर्ट रूम के बाहर भावुक हुए वकील

जमानत आदेश सुनने के बाद कोर्ट रूम के बाहर नरेश मीणा के वकील भावुक हो गए। वकीलों ने एक-दूसरे को गले लगाकर खुशी जताई। समर्थकों ने भी फैसले का स्वागत करते हुए इसे 'जनता की जीत' बताया।

क्या था मामला?

13 नवंबर 2024 को टोंक जिले के समरावता गांव में उपचुनाव के दौरान नरेश मीणा ने SDM अमित चौधरी को थप्पड़ मार दिया था। इसके बाद वहां तनाव फैल गया। समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिसके दौरान समरावता और आस-पास के इलाकों में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं।

इस घटना के बाद पुलिस ने नरेश मीणा को गिरफ्तार कर लिया था और उनके खिलाफ कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए गए थे। तब से वह जेल में थे।

समर्थकों ने फैसले का स्वागत किया

हाईकोर्ट के फैसले के बाद नरेश मीणा के समर्थकों में खुशी की लहर है। समर्थकों का कहना है कि "नरेश मीणा ने जनता की आवाज उठाई थी, इसलिए उन्हें साजिश के तहत जेल में रखा गया। अब न्याय की जीत हुई है।"

राजनीति में चर्चा तेज

नरेश मीणा को मिली जमानत ने देवली-उनियारा क्षेत्र की राजनीति में भी हलचल बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि उनकी रिहाई के बाद आगामी चुनावी रणनीति में बदलाव आ सकता है। समर्थकों का कहना है कि जेल से बाहर आने के बाद नरेश मीणा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के लिए फिर से संघर्ष करेंगे।

अब आगे क्या होगा?

जमानत मिलने के बाद अब पुलिस और जेल प्रशासन की कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही नरेश मीणा की रिहाई होगी। उनके वकील ने उम्मीद जताई है कि एक-दो दिन में नरेश मीणा जेल से बाहर आ जाएंगे।

मोहन भागवत बोले- 75 की उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए

- कांग्रेस ने कसा तंज- PM मोदी को भी याद दिलाया

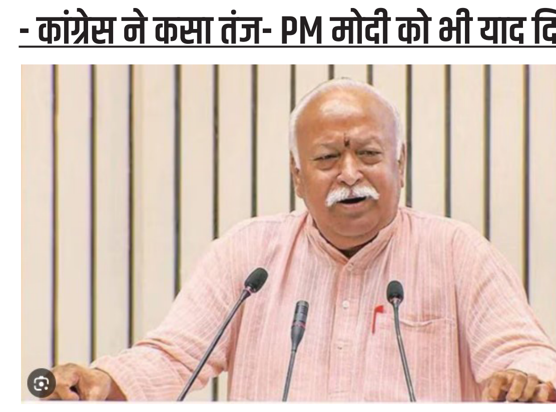

नागपुर ।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि नेताओं को 75 साल की उम्र में रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। उन्होंने कहा,

"जब 75 साल पूरे होने पर आपको शॉल ओढ़ाई जाए, तो समझिए दूसरों को मौका देने का वक्त आ गया है, आपको किनारे हो जाना चाहिए।"

भागवत ने यह बात 9 जुलाई को रामजन्मभूमि आंदोलन के प्रेरक दिवंगत मोरोपंत पिंगले पर लिखी किताब के विमोचन कार्यक्रम में कही।

इस बयान को लेकर विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। दरअसल, मोदी और भागवत दोनों इस साल सितंबर में 75 साल के हो जाएंगे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा

"बेचारे पुरस्कारजीवी प्रधानमंत्री! लौटते ही सरसंघचालक ने उन्हें याद दिला दिया कि 17 सितंबर, 2025 को वे 75 साल के हो जाएंगे।"

जयराम रमेश ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री भी सरसंघचालक को याद दिला सकते हैं कि वे भी 11 सितंबर, 2025 को 75 साल के हो जाएंगे। 'एक तीर, दो निशाने।'

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी 10 जुलाई को 5 देशों की यात्रा से लौटे हैं। जयराम रमेश ने इसी वापसी पर तंज कसते हुए इसे 'घर वापसी' बताया।

मोहन भागवत के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है कि क्या यह इशारा बीजेपी और आरएसएस की आंतरिक नीति को लेकर है, या फिर प्रधानमंत्री मोदी पर दबाव बनाने का संकेत।

दिल्ली-NCR में दो दिन में दूसरी बार भूकंप के झटके, हरियाणा के झज्जर में केंद्र

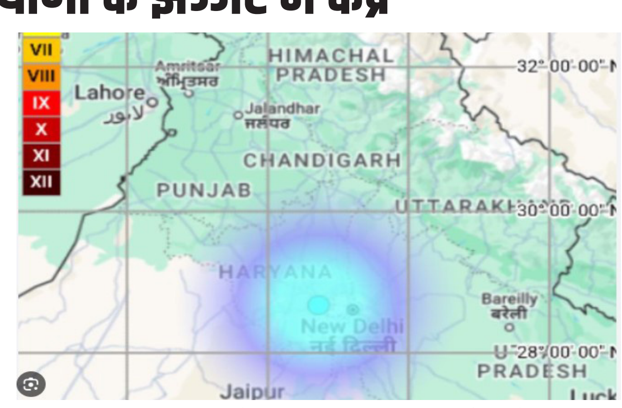

दिल्ली। दिल्ली-NCR में शुक्रवार शाम 7:49 बजे फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में रहा। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गई है। झटके हल्के थे, लेकिन लोगों ने घरों और दफ्तरों में कंपन महसूस की, जिसके बाद कुछ जगहों पर लोग एहतियातन बाहर निकल आए।

अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान या हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

गुरुवार को भी दिल्ली और आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। उस समय भी भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में ही था। तब रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.4 मापी गई थी, और झटके देर रात करीब 10:30 बजे महसूस हुए थे। दो दिनों में दूसरी बार आए भूकंप के कारण दिल्ली-NCR के लोग दहशत में हैं, हालांकि जानकारों का कहना है कि यह हल्के झटके हैं और घबराने की जरूरत नहीं है।

विशेषज्ञों का कहना है कि NCR रीजन सिस्मिक जोन-4 में आता है, जहां भूकंप आने की संभावना हमेशा बनी रहती है। NCS लगातार क्षेत्र की मॉनिटरिंग कर रहा है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि घरों और दफ्तरों में सुरक्षित स्थानों की जानकारी रखें, किसी भी भूकंप की स्थिति में ऊंची इमारतों से तुरंत बाहर जाने की बजाय मजबूत फर्नीचर या दीवार के पास बैठकर सिर और गर्दन को हाथों से ढक लें।

राहुल गांधी का आरोप- बिहार में वोट चोरी की कोशिश

-चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम कर रहा

भुवनेश्वर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ओडिशा में कहा कि महाराष्ट्र की तरह बिहार में भी वोट चोरी की कोशिश की जा रही है। इसके लिए चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम कर रहा है और अपना काम नहीं कर रहा।

राहुल ने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच में 1 करोड़ नए वोटर जुड़ गए, जिनका कोई हिसाब नहीं है। हमने चुनाव आयोग से कई बार वोटर लिस्ट और वीडियोग्राफी मांगी, लेकिन उन्होंने नहीं दी। राहुल ने कहा,

"हम भाजपा और चुनाव आयोग को बिहार का चुनाव चोरी नहीं करने देंगे।"

राहुल गांधी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि "ओडिशा में सरकार अब अडाणी चला रहे हैं।" ओडिशा में भाजपा सरकार बनने के बाद राहुल गांधी पहली बार दौरे पर पहुंचे। भुवनेश्वर में 'संविधान बचाओ समावेश' सभा में उन्होंने यह बातें कहीं। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और के.सी. वेणुगोपाल भी मौजूद रहे।

खाटूश्यामजी में MP श्रद्धालुओं से मारपीट, 4 दुकानदार गिरफ्तार

सीकर। राजस्थान के खाटूश्यामजी में शुक्रवार सुबह बारिश से बचने के लिए दुकान में रुके MP के श्रद्धालुओं से दुकानदारों ने लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। महिलाओं ने आरोप लगाया कि उनसे मारपीट कर मंगलसूत्र और चेन तक तोड़ दी गई। घटना का वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने 4 दुकानदारों को गिरफ्तार किया है। **बारिश से बचने के लिए दुकान में घुसे थे, धक्का-मुक्की भी की**

एसएचओ पवन चौबे ने बताया- सुबह करीब 10 बजे मध्यप्रदेश के उज्जैन के आगर मालवा से पीयूष भाटी, निक्की भाटी, लव भाटी और अर्चना भाटी परिवार के साथ खाटूश्यामजी के दर्शन करने आए हुए थे। इस दौरान खाटू में बारिश हो रही थी। श्रद्धालु बारिश से बचने के लिए श्याम कुंड जाने वाले रास्ते पर एक दुकान में रुक गए।

इस पर दुकानदार ने इन लोगों को बाहर जाने को कहा, लेकिन उन्होंने वहीं पर रुकने देने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दुकानदार ने धक्का-मुक्की शुरू कर दी। मामला इतना बढ़ गया कि दुकानदारों ने लाठी और डंडों से पिटाई करना शुरू कर दिया।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजस्थान पर्यटन विभाग शुरू करेगा राज्य पर्यटन पुरस्कार - दिया कुमारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि राजस्थान में पर्यटन विभाग की ओर से राज्य पर्यटन पुरस्कार शुरू किए जाएंगे। जिसमें पर्यटन के क्षेत्र में अच्छा काम करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में टूरिज्म पॉलिसी, टूरिज्म यूनिट पॉलिसी, फिल्म पॉलिसी की तरह रेस्पॉन्सीबल टूरिज्म पॉलिसी बनाने की सम्भावना पर काम किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान पर्यटन विभाग के सहयोग से शुक्रवार को जयपुर के एक होटल में भारतीय जिम्मेदार पर्यटन राज्य पुरस्कार राजस्थान 2025 के तीसरे संस्करण के आयोजन के अवसर पर अपने सम्बोधन में उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण व पर्यटन विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। पानी, बिजली और वृक्षों को बचाने के लिए अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव लाने होंगे।

राजस्थान पर्यटन क्षेत्र में अग्रणी-

दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान की पहचान पर्यटन से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि हम इस ज़िम्मेदारी का गर्व से सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में राजस्थान ने 23 करोड़ से ज़्यादा घरेलू यात्रियों और 21 लाख विदेशी पर्यटकों का राजस्थान आगमन हुआ। जिससे राजस्थान घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या के हिसाब से भारत में पाँचवाँ सबसे अधिक पर्यटकों द्वारा भ्रमण किया जाने वाला राज्य बन गया है। उन्होंने इस आयोजन का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि जिम्मेदार पर्यटन एक सशक्त विचार का जश्न मनाता है, समावेशिता और हमारे लोगों व हमारे पर्यावरण के प्रति सम्मान पर आधारित पर्यटन आज के समय की आवश्यकता है।

जिम्मेदार पर्यटन और ढांचागत सुविधाएं-

दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में हर किले का जीर्णोद्धार, हर सड़क का निर्माण और हर सांस्कृतिक स्थल का प्रचार-प्रसार करना लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हमें राजस्थान में विश्वस्तरीय, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से संरक्षित बुनियादी ढाँचा तैयार करना है। इस वर्ष के बजट में ₹5,000 करोड़ का पर्यटन अवसंरचना और क्षमता निर्माण कोष (RTICF) की व्यवस्था की है।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास-

महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। जिसके अनुरूप, हम पर्यटन में महिलाओं की भूमिका का विस्तार कर रहे हैं, जिसमें होमस्टे का प्रबंधन भी शामिल है। तीज महोत्सव को लेकर भी बड़ी घोषणा, लहरिया पहनने पर उपमुख्यमंत्री का संदेश, कहा -"सावन और लहरिया हमारी संस्कृति की पहचान हैं। सभी महिलाओं को इसे अपनाना चाहिए और सोशल मीडिया पर भी इसका प्रचार करना चाहिए।"

विजेताओं की दी बधाई-

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पुरस्कार विजेता को हार्दिक बधाई दी और आतिथ्य के साथ-साथ विरासत को भी महत्व देने वाले पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में मदद करने वाले प्रत्येक व्यक्ति और संगठन के प्रति भी आभार जताया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

पानी की हर बूंद के लिए संघर्ष करती गांव की महिलाएं: एक कड़वी सच्चाई

यह कहानी भारत के उन गांवों की है, जहां आज भी पानी की एक-एक बूंद के लिए महिलाएं रोज़ की जंग लड़ रही हैं। जहां सूरज निकलने से पहले ही उनकी आंखें खुल जाती हैं और सिर पर खाली मटकी लेकर लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, ताकि घर के लिए पानी लाया जा सके। गांव की कच्ची गलियों से होकर पगडंडियों और पथरीले रास्तों पर चलते ये औरतें कई बार पानी भरने के लिए घंटों लाइन में खड़ी रहती हैं। कई बार तो उन्हें सिर्फ एक बाल्टी पानी के लिए पूरी सुबह लगा देनी पड़ती है, लेकिन फिर भी चेहरों पर थकान नहीं, बल्कि मजबूरी और जिम्मेदारी का अक्स दिखाई देता है। राजस्थान, मध्यप्रदेश, बुंदेलखंड और महाराष्ट्र के कई इलाकों में यह तस्वीर आम है। तपती दोपहर में भी औरतें कई किलोमीटर दूर जाकर पानी लाती हैं। सिर पर मटके का बोझ, साथ में बच्चों की चिंता, घर के बाकी काम, लेकिन फिर भी उनके कदम रुकते नहीं। कई बार रास्ते में पानी का मटका गिरकर टूट जाता है, तब उनके चेहरे पर आई मायूसी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। लेकिन कुछ पल के आंसुओं के बाद वे फिर दूसरी मटकी लेकर निकल पड़ती हैं, क्योंकि पानी लाना ही उनके परिवार को जिंदा रखने का सबसे बड़ा काम होता है। पानी की कमी ने इन महिलाओं की ज़िंदगी को बहुत हद तक बांध दिया है। लड़कियां स्कूल नहीं जा पातीं क्योंकि उन्हें भी अपनी मां और बहनों के साथ पानी लाने जाना पड़ता है। कई बार तो घर के मर्द भी पानी लाने में मदद करते हैं, लेकिन ज्यादातर जगहों पर यह जिम्मेदारी औरतों की ही मानी जाती है। गर्मियों में जब कुएं और तालाब सूख जाते हैं, तब हालात और भी खराब हो जाते है। कई गांवों में पानी के टैंकर आते हैं, जिन पर सैकड़ों लोग टूट पड़ते हैं, लेकिन हर किसी के हिस्से में पर्याप्त पानी नहीं आ पाता। इन महिलाओं की तकलीफ सिर्फ शारीरिक थकान तक सीमित नहीं है। पानी लाने के चक्कर में कई बार उनके पैरों में छाले पड़ जाते हैं, पीठ और गर्दन में दर्द बना रहता है, लेकिन उनके पास रुकने की गुंजाइश नहीं होती। कई बार रास्तों में असुरक्षा भी उनके साथ चलती है। सुनसान रास्तों में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और हिंसा की घटनाएं भी होती हैं, लेकिन वे डर के बावजूद हर रोज निकलती हैं क्योंकि पानी लाना उनकी मजबूरी है। पानी की किल्लत ने इन महिलाओं की सेहत, शिक्षा और खुशियों को छीन लिया है। कई बार वे सोचती हैं कि काश उनके गांव में भी पानी का कोई अच्छा स्रोत होता, काश उनके बच्चे भी सुबह स्कूल जाने की जल्दी में होते, न कि पानी लाने जाने की चिंता में। लेकिन फिर भी ये महिलाएं उम्मीद नहीं छोड़तीं। कई जगहों पर महिलाओं ने मिलकर छोटे-छोटे जल संरक्षण के काम शुरू किए हैं। गांव की औरतों ने मिलकर तालाब खुदवाए, वर्षा जल संचयन करना शुरू किया और जल संरक्षण की जानकारी भी ली। कुछ जगहों पर NGOs और स्थानीय प्रशासन की मदद से पानी के छोटे टैंक और पाइपलाइन बिछाई गई, जिससे उनके संघर्ष में थोड़ी राहत आई है। आज भी गांव की पगडंडियों पर मटकी लिए चलती औरतें पानी की हर बूंद के लिए संघर्ष कर रही हैं, लेकिन उनके चेहरे पर उम्मीद बाकी है। पानी उनके लिए सिर्फ एक जरूरत नहीं, बल्कि उनकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का संघर्ष बन चुका है। उनकी कहानी हमें याद दिलाती है कि पानी की कीमत क्या होती है और हमें इसका सही इस्तेमाल कैसे करना चाहिए।

जाति हटाइए, इंसानियत बसाइए: भारत में जातिवाद खत्म करने की लड़ाई

-सत्ता की राजनीति से ऊपर उठने की जरूरत

कुर्सी नहीं, जाति हटाइए

भारत में लोकतंत्र का सबसे बड़ा सच यह है कि यहाँ हर चुनाव में नेता बदले जाते हैं, सरकारें बदल जाती हैं, मंत्री बदल जाते हैं, पर एक चीज़ नहीं बदलती- वह है जाति का ज़हर। आज़ादी को 78 साल से ज़्यादा हो गए हैं, पर आज भी हमारी गली, मोहल्ले, गांव, शहर, विधानसभाओं और संसद में जाति का जिन्न खुलकर घूमता है। यह जिन्न कभी दलितों पर अत्याचार के रूप में दिखता है, कभी आरक्षण के मुद्दे पर ज़हर उगलता है, कभी चुनाव में वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल होता है, और कभी ऊँच-नीच के खेल में इंसान को इंसान से अलग कर देता है। भारत ने विज्ञान में तरक्की कर ली, चांद पर पहुंच गया, डिजिटल इंडिया बना दिया, पर आज भी अगर कोई बच्चा गांव में किसी स्कूल में दाखिला लेने जाता है, तो उससे पहले उसका नाम और जाति पूछी जाती है। शहरों में रहने वाले लोग यह भ्रम पाल लेते हैं कि जाति का भूत अब खत्म हो गया है, पर जैसे ही कोई शादी तय करनी होती है, सब से पहले जात-पात देखी जाती है। यह कैसी तरक्की है, जहाँ मोबाइल 5G पर दौड़ रहा है, पर इंसान की सोच अभी भी जाति के खांचे में क़ैद है?

जाति का खेल: सत्ता का हथियार

आज राजनीति में जाति सबसे बड़ा हथियार बन गई है। चुनाव आते ही नेता लोग 'जातिगत समीकरण' बिठाने लगते हैं। कौन सी जाति किस उम्मीदवार को वोट देगी, किस जाति का उम्मीदवार कहाँ से खड़ा किया जाए, किस जाति के लोगों को टिकट मिले, यह सब इस देश की राजनीति की मुख्यधारा बन गया है। यह बीमारी सिर्फ किसी एक पार्टी में नहीं, बल्कि हर पार्टी में है। कोई दलित वोट बैंक की बात करता है, कोई पिछड़ी जातियों को इकट्ठा करता है, कोई सवर्णों को डराकर अपने साथ जोड़ता है। सबके अपने-अपने जातिगत फार्मूले हैं, और सत्ता की कुर्सी जाति के सहारे ही पाई जाती है।

गांव में जाति का जहर

गांवों में जाति का असर रोज़मर्रा की ज़िंदगी में गहराई से दिखता है। पानी का हांडा भरने के लिए कुएं पर कौन पहले जाएगा, किसके घर में बारात पहले जाएगी, श्मशान में किसकी लाश पहले जलेगी, किस जाति के लोगों को किस मोहल्ले में रहना है, यह सब आज भी गांवों में जाति तय करती है। दलित आज भी कई गांवों में मंदिर में नहीं जा सकते, उनके साथ ऊँची जातियों के लोग बैठकर खाना नहीं खाते, और अगर कोई दलित लड़की ऊँची जाति के लड़के से शादी कर ले, तो कई जगह उसकी हत्या कर दी जाती है। यह हकीकत है, और हम इसे नज़रअंदाज़ कर आगे नहीं बढ़ सकते।

आरक्षण बनाम जाति

आरक्षण एक ऐसा मुद्दा है, जो अक्सर जाति के सवाल को लेकर चर्चा में रहता है। एक तरफ दलित और पिछड़े वर्ग के लोग कहते हैं कि आरक्षण उनके लिए बराबरी पाने का एक हथियार है, क्योंकि समाज में उनके साथ सैकड़ों सालों से भेदभाव हुआ है। दूसरी तरफ कुछ लोग कहते हैं कि आरक्षण खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि इससे जाति और मजबूत होती है। सच्चाई यह है कि जब तक समाज में जातिगत भेदभाव खत्म नहीं होगा, तब तक आरक्षण की ज़रूरत बनी रहेगी। पर साथ ही यह भी सच है कि हमें ऐसा समाज बनाना है, जहाँ किसी जाति के आधार पर न किसी को ऊँचा माना जाए, न किसी को नीचा।

शहरों में छुपी जाति

शहरों में जाति दिखती नहीं, पर मौजूद रहती है। नौकरी मिलने में, किराए पर मकान लेने में, शादी तय करने में, जाति अक्सर निर्णय लेती है। सोशल मीडिया पर लोग आधुनिकता की बातें करते हैं, लेकिन बायोडाटा में जाति का कॉलम भरना नहीं छोड़ते। प्रेम विवाह करने वाले जोड़े जाति की वजह से घरों से भागने को मजबूर होते हैं, और ऑनर किलिंग जैसी घटनाएं आज भी अखबारों की सुर्खियां बनती हैं।

जाति हटेगी कैसे?

यह सवाल बहुत बड़ा है कि जाति हटेगी कैसे। कानून बना देने से जाति खत्म नहीं होती। संविधान ने सबको बराबरी का हक़ दिया, पर समाज की सोच नहीं बदली। जाति खत्म करने के लिए सबसे ज़रूरी

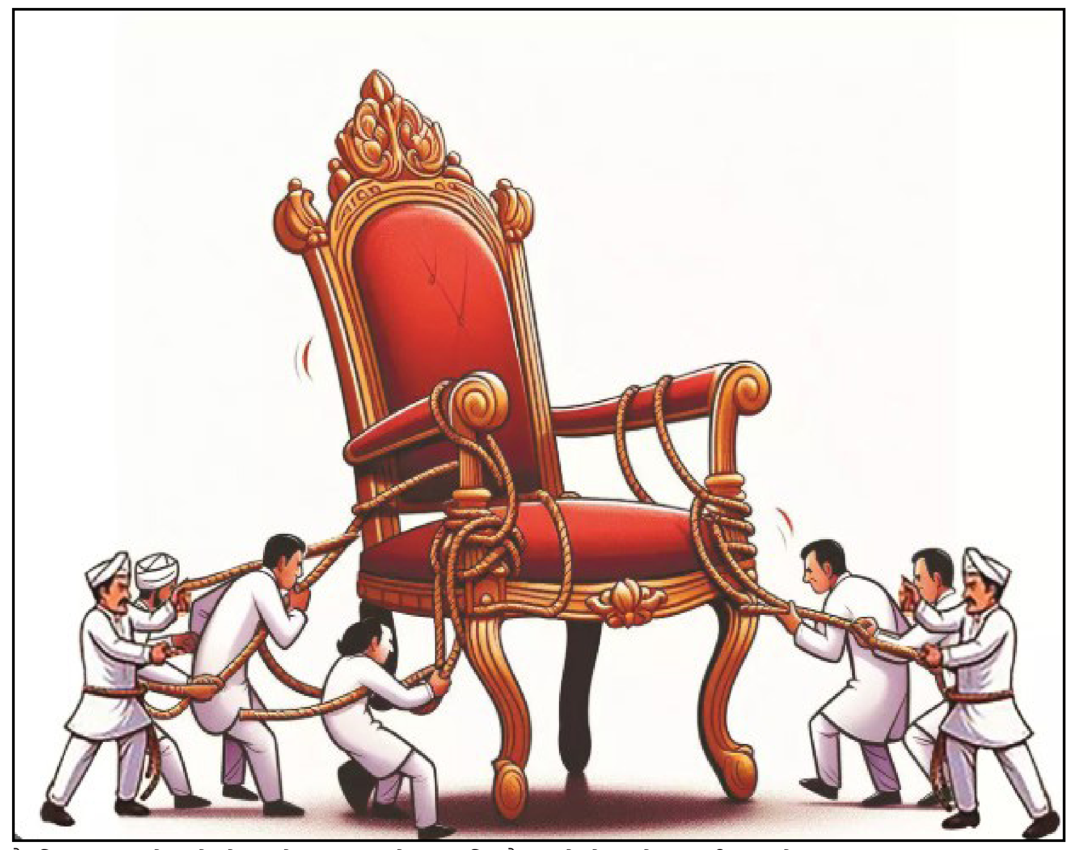

है कि हम अपने घरों में बच्चों को इंसानियत का पाठ पढ़ाएं, जाति का नहीं। अगर आप अपने बच्चे को सिखाते हैं कि 'हम फलां जाति के हैं', 'हम ऊँचे हैं', 'हमारे यहाँ यह नहीं होता', 'हमारे यहाँ वह नहीं होता', तो आप अगली पीढ़ी में भी जाति का ज़हर डाल रहे हैं। स्कूलों में जाति के बजाय इंसानियत, बराबरी और इज़्ज़त का सबक दिया जाना चाहिए। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्चों में जाति की दीवारें गिरनी चाहिए। धार्मिक संस्थाओं को आगे आकर कहना चाहिए कि इंसान की जाति नहीं होती।

नेताओं से सवाल

जो नेता जाति के नाम पर वोट मांगते हैं, उन्हें समाज को जवाब देना चाहिए कि अगर जाति ही सब कुछ है, तो विकास की बातें किस लिए कर रहे हैं। जब हर सीट पर जाति देखकर टिकट दिया जाएगा, तो योग्य उम्मीदवार कहाँ जाएंगे। अगर वाकई नेता समाज बदलना चाहते हैं, तो उन्हें जाति के आधार पर राजनीति करना बंद करना होगा। नेताओं को अपने भाषणों में जातिगत समीकरण की बातें करने से बचना चाहिए। पार्टियों को अपने संगठन में हर जाति और तबके के लोगों को बराबरी से शामिल करना चाहिए। और सबसे बड़ी बात, उन्हें अपने वोटरों से कहना चाहिए कि वह जाति देखकर वोट न दें, बल्कि काम देखकर वोट दें।

मीडिया की जिम्मेदारी

मीडिया में भी जातिगत खबरों को सनसनी बनाने के बजाय जाति व्यवस्था के खिलाफ माहौल बनाना चाहिए। टीवी चैनलों पर होने वाली बहसों में अक्सर जाति को लेकर ऐसी बातें की जाती हैं, जो समाज में ज़हर घोलती हैं। अखबारों में अपराध की खबरों में अक्सर जाति का उल्लेख बेवजह किया जाता है, जबकि अपराध का जाति से कोई संबंध नहीं होता। मीडिया को यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि जाति व्यवस्था को खत्म करने में वह अपनी भूमिका निभाए।

जाति से ऊपर उठिए

जब तक हम 'हमारी जाति' और 'तुम्हारी जाति' कहकर एक-दूसरे को देखेंगे, तब तक समाज में बराबरी नहीं आ सकती। जाति हटाना सिर्फ नारे में नहीं, सोच में आना चाहिए। हमें शादी, दोस्ती, रोजगार, शिक्षा, राजनीति- हर जगह जाति को हटाकर इंसान को देखना सीखना होगा। अगर आप अपने बच्चे को डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, पुलिस, नेता बनाना चाहते हैं, तो उसे इंसान बनाना पहले ज़रूरी है। और इंसान वही है, जो जाति से ऊपर उठकर दूसरे इंसान को बराबरी से देख सके।

नए भारत का सपना

आज का भारत युवाओं का भारत है। यह युवा जाति और धर्म से ऊपर उठकर देश की तरक्की में योगदान देना चाहते हैं। लेकिन समाज की पुरानी जड़ें उन्हें खींचकर फिर जाति और धर्म की खाई में धकेल देती हैं। हमें यह खाई पाटनी होगी। डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि 'जाति व्यवस्था खत्म किए बिना सामाजिक समानता संभव नहीं'। महात्मा गांधी ने भी कहा था कि 'अछूतों को हरिजनों का दर्जा देकर हमें उनके साथ भेदभाव खत्म करना होगा'। पर सच्चाई यह है कि आज भी जाति और छुआछूत का भूत हमारे समाज में जिंदा है।

अब वक्त आ गया है कि हम कहें- कुर्सी नहीं, जाति हटाइए।

नेता आएंगे, जाएंगे, कुर्सियाँ बदलेंगी, सरकारें बदलेंगी, पर अगर जाति नहीं बदलेगी, तो यह देश आधा-अधूरा ही रहेगा। अगर आप सच में बदलाव चाहते हैं, तो जाति के आधार पर अपनी सोच बदलनी होगी। आपको तय करना होगा कि आप जाति हटाने के लिए अपने घर से शुरुआत करेंगे। अपने बच्चों को जातिवाद से बचाएंगे। अपने मोहल्ले में, स्कूल में, कॉलेज में, ऑफिस में, सोशल मीडिया पर जाति के खिलाफ आवाज़ उठाएंगे।

जाति हटाइए, इंसानियत बसाइए। यह वक्त सिर्फ नेताओं और सरकारों से सवाल करने का नहीं, बल्कि खुद से सवाल करने का है। क्या हम आने वाली पीढ़ियों को भी इसी जातिवाद में झोंक देंगे? या हम उन्हें एक ऐसा भारत देंगे, जहाँ इंसान को इंसान समझा जाए, उसकी जाति नहीं पूछी जाए? याद रखिए, कुर्सियाँ बदलने से कुछ नहीं होगा, जब तक जाति नहीं हटेगी। जाति हटाना आसान नहीं, पर नामुमकिन भी नहीं। इसके लिए सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक स्तर पर बदलाव लाने होंगे। हमें शिक्षा के माध्यम से नई सोच पैदा करनी होगी, धार्मिक और सामाजिक संगठनों को जाति के खिलाफ मुहिम चलानी होगी, और राजनीति को जाति की जगह कामकाज के आधार पर वोट मांगने की आदत डालनी होगी। अगर आज हम अपने बच्चों को यह सिखा दें कि हर इंसान बराबर है, तो आने वाले 20-30 साल में हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ जातिवाद इतिहास की किताबों में रह जाएगा, और समाज में सिर्फ इंसानियत का राज होगा। **इसलिए फिर कहेंगे- कुर्सी नहीं, जाति हटाइए।**

भारत को वैश्विक स्तर पर साइबर सुरक्षा और आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए आगे आना होगा

-डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिये आतंक का बढ़ता खतरा

21वीं सदी में दुनिया जिस रफ्तार से डिजिटल हो रही है, उसी तेजी से खतरे भी बदल रहे हैं। आज आतंकवादी संगठन हथियारों से ज्यादा इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत जैसे बड़े देश के लिए यह एक गंभीर चुनौती बन चुका है। अगर भारत को वैश्विक स्तर पर अपनी सुरक्षा मजबूत करनी है तो उसे साइबर सुरक्षा और आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठाने होंगे।

डिजिटल प्लेटफॉर्म आतंक का नया हथियार

आजकल आतंकवादी संगठन ट्विटर, फेसबुक, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड चैट प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। इनके माध्यम से वे युवाओं को बरगला रहे हैं, कट्टरपंथी विचारधारा फैला रहे हैं, फंड जुटा रहे हैं और नए आतंकवादियों की भर्ती कर रहे हैं। डिजिटल पेमेंट और क्रिप्टोकरेंसी के इस्तेमाल से आतंकियों तक पैसा पहुंचाना पहले से आसान हो गया है। अफगानिस्तान, सीरिया और अफ्रीकी देशों में आतंकवादी संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल कर अपनी फंडिंग को छुपाया। इसी तरह भारत में भी कुछ कट्टरपंथी संगठन डिजिटल चैनलों के जरिए विदेश से पैसे हासिल कर रहे हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है।

भारत में बढ़ती डिजिटल निर्भरता और उससे जुड़ी चुनौतियां

भारत में डिजिटल इंडिया अभियान और तेज इंटरनेट कनेक्टिविटी ने ग्रामीण और शहरी इलाकों के बीच डिजिटल खाई को कम किया है। मोबाइल और इंटरनेट के जरिये आज हर वर्ग डिजिटल लेनदेन करने लगा है। लेकिन इसी के साथ साइबर फ्रॉड, डेटा चोरी, फिशिंग और आतंकवादी फंडिंग जैसे खतरे भी बढ़े हैं। कुछ उदाहरणों में यह देखा गया है कि आतंकी संगठनों ने फर्जी NGO और चैरिटी के नाम पर ऑनलाइन फंडिंग कैंपेन चलाए और भोले-भाले लोगों से पैसे वसूल कर आतंकी गतिविधियों में लगाए। साथ ही सोशल मीडिया के जरिये भारत के युवाओं को कट्टरपंथ की ओर झुकाने की कोशिशें भी तेज हुई हैं।

वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका क्यों ज़रूरी है

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और बड़ी डिजिटल जनसंख्या वाला देश है। भारत संयुक्त राष्ट्र, FATF (Financial Action Task Force) और G20 जैसे मंचों पर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। आतंकी फंडिंग रोकने और साइबर आतंक को नियंत्रित करने के लिए भारत की वैश्विक भूमिका ज़रूरी है क्योंकि: एशिया में रणनीतिक स्थिति: भारत की भौगोलिक स्थिति अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन और मध्य एशिया के बीच में है, जो आतंकवाद से प्रभावित क्षेत्र हैं। डिजिटल जनसंख्या: भारत में 80 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, इसलिए यहां साइबर सुरक्षा की मजबूती अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा में योगदान दे सकती है। तकनीकी क्षमता: भारत के पास आईटी क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की बड़ी फौज है, जिनका उपयोग वैश्विक प्रयासों में किया जा सकता है। नीति निर्धारण में भागीदारी: भारत अगर साइबर अपराध और आतंकवाद के वित्तपोषण रोकने की नीति तय करने में नेतृत्व करेगा, तो दूसरे देश भी उससे प्रेरित होकर कदम उठाएंगे।

भारत द्वारा उठाए गए अब तक के कदम

भारत ने साइबर अपराध रोकने के लिए राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति बनाई है और NCIPC (National Critical Information Infrastructure Protection Centre) की स्थापना की है। भारतीय रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय ने संदिग्ध लेनदेन पर नज़र रखने और संदिग्ध फंडिंग रोकने के लिए सख्त नियम बनाए हैं। क्रिप्टोकरेंसी की अनियमितता को रोकने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। साथ ही NIA और ED जैसी एजेंसियों को आतंकी फंडिंग के मामलों की जांच के अधिकार दिए गए हैं। हाल ही में भारत ने यूनाइटेड नेशंस में आतंकवाद के खिलाफ 5 सूत्रीय एजेंडा भी प्रस्तुत किया जिसमें आतंकी फंडिंग को रोकना प्रमुख था।

क्या करने की ज़रूरत है?

1 साइबर कानूनों को और मजबूत बनाना:

भारत को अपने आईटी कानूनों में बदलाव कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और डिजिटल वॉलेट पर कड़ी निगरानी रखनी होगी। संदिग्ध लेनदेन पर तत्काल कार्रवाई के लिए मजबूत साइबर सेल और आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाना होगा।

2 वैश्विक साझेदारी को बढ़ाना:

भारत को अमेरिका, यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, इजराइल जैसे देशों से तकनीकी सहयोग बढ़ाकर साइबर इंटेलिजेंस शेयरिंग करनी चाहिए ताकि आतंकी नेटवर्क्स की पहचान तेजी से की जा सके।

3 क्रिप्टोकरेंसी निगरानी को मज़बूत करना:

क्रिप्टोकरेंसी के दुरुपयोग को रोकने के लिए ब्लॉकचेन एनालिटिक्स और एआई आधारित ट्रैकिंग सिस्टम का इस्तेमाल करना होगा। भारत को FATF के नियमों के अनुसार क्रिप्टो एक्सचेंज पर नियम लागू करने होंगे।

4 युवाओं में जागरूकता:

कट्टरपंथी विचारधारा से युवाओं को बचाने के लिए डिजिटल लिटरेसी, साइबर एथिक्स और आतंकवाद विरोधी जागरूकता कार्यक्रम चलाना ज़रूरी है। स्कूल और कॉलेज स्तर पर भी साइबर जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं।

5 डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर निगरानी:

आतंकवादी अक्सर डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं। भारत को अपने साइबर विशेषज्ञों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से डार्क वेब पर निगरानी बढ़ानी होगी और संदिग्ध गतिविधियों को समय रहते रोकना होगा।

मौलाना मोहम्मद अली जौहर: आज़ादी और इस्लामी शऊर की आवाज़

मौलाना मोहम्मद अली जौहर उन स्वतंत्रता सेनानियों में से हैं जो अपनी आखिरी सांस तक देश की आजादी के लिए संघर्ष करते रहे। मौलाना अली जौहर ने 14 जनवरी 1911 को कलकत्ता से 'कामरेड' नामक साप्ताहिक अंग्रेज़ी अख़बार निकालना शुरू कर दिया। उन्होंने अख़बार में अंग्रेज़ों की चालबाजियां और आजादी के संघर्ष के लिए लोगों के प्रयास का ज़िक्र करते थे। उन्होंने उर्दू भाषा में भी एक अखबार निकाला। उनके दोनों अखबारों को लोग खासा पसंद करते थे। मौलाना अंग्रेज़ी और उर्दू दोनों ही भाषाओं में माहिर थे, इन दोनों भाषाओं में लेखों, शायरी और उनकी तकरीरों ने यूरोप में तहलका मचा रखा था। उन्होंने मुसलमानों के सियासी, समाजी और मजहबी हालातों को बदलने के लिए भी काफी प्रयास किए। मुहम्मद अली जौहर बेहद निडर और बेबाक नेता थे। अंग्रेजी शासन के खिलाफ लिखे गए उनके एक लेख के लिए उन्हें जेल में डाल दिया गया. इसके लिए उन्हें 5 साल की सजा सुनाई गई। 28 दिसंबर 1919 को जब उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया तो वे पहले अपने घर, अपने परिवार के पास नहीं गये, बल्कि वह देश की आज़ादी के लिए कांग्रेस, मुस्लिम लीग और खिलाफत कान्फ्रेंस के होने वाले संयुक्त सम्मेलन में शामिल होने के लिए सीधे अमृतसर पहुंच गए। मुहम्मद अली जौहर, गांधी जी में बहुत विश्वास रखते और उन्हें पसंद करते थे। गांधी जी और मुहम्मद अली दोनों ही इस बात पर सहमत थे कि सियासत को मज़हब से अलग नहीं किया जा सकता। बीमारी के कारण 1931 में उनकी मौत हो गई लेकिन वो अपनी आखिरी सांस तक अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ और भारत की आजादी के लिए संघर्ष करते रहे। मौलाना मोहम्मद अली जौहर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे सिपाही थे, जिन्होंने क़लम और

जुबान दोनों से आज़ादी की लड़ाई लड़ी। उन्होंने गुलामी की ज़ंजीरों में जकड़ी हिंदुस्तानी कौम के दिल में आज़ादी का शौक पैदा किया और अंग्रेज़ हुकूमत के खिलाफ अपने भाषणों और अख़बार के ज़रिये ऐसा जुनून पैदा किया कि लाखों लोग उनके साथ चल पड़े। उनका जन्म 10 दिसंबर 1878 को रामपुर में हुआ था और उनका ताल्लुक एक ऐसे घराने से था, जहां इल्म और तहज़ीब का माहौल था। उनके वालिद का इंतक़ाल उनके बचपन में ही हो गया, लेकिन उनकी वालिदा आबिदा बी ने उन्हें इल्म की दौलत से मालामाल किया और उनमें इंकलाबी सोच पैदा की। मौलाना मोहम्मद अली ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी और इंग्लैंड की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से तालीम हासिल की। पढ़ाई में गहरी दिलचस्पी और तेज दिमाग की वजह से वह कम उम्र में ही अखबारों में लिखने लगे। उन्होंने अंग्रेज़ी में भी महारत हासिल की और हिंदुस्तान लौटकर 'कॉमरेड' और 'हमदर्द' जैसे अखबार निकाले, जिनके ज़रिये अंग्रेज़ों की ज्यादतियों को उजागर किया और मुसलमानों में बेदारी पैदा की। उन्होंने कभी अंग्रेज़ों से डरकर अपने क़लम को खामोश नहीं किया। उनकी एक बड़ी पहचान खिलाफ़त तहरीक है। खिलाफ़त तहरीक उस दौर में शुरू हुई जब तुर्की की खिलाफत कमज़ोर हो गई थी और अंग्रेज़ व उसके साथी उसे खत्म करना चाहते थे। मौलाना मोहम्मद अली और उनके भाई मौलाना शौकत अली ने हिंदुस्तान में इस्लामी तहज़ीब और खिलाफ़त की अहमियत को समझाते हुए इस तहरीक को आगे बढ़ाया। उनका मानना था कि खिलाफत का मसला सिर्फ तुर्की का नहीं, बल्कि पूरी उम्मत का है और अगर मुसलमान इसके हिफ़ाज़त में न उठे तो उनकी दीनदारी कमजोर पड़ जाएगी। मौलाना ने खिलाफ़त तहरीक को गांधी जी की अगुवाई में चल रही असहयोग आंदोलन से जोड़ दिया। यह भारतीय इतिहास में पहली बार था जब मुसलमान और हिन्दू एक मंच पर आए और अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने अंग्रेज़ी तालीम और नौकरियों का बहिष्कार किया, विदेशी कपड़ों को जलाया, अंग्रेज़ी अदालतों में पेश होने से मना कर दिया और खुद जेल जाना गवारा किया, लेकिन अंग्रेज़ों की हुकूमत को नहीं माना। मौलाना मोहम्मद अली की जुबान में इतना असर था कि जब वह जलसों में खड़े होकर बोलते तो हजारों का मजमा सांस रोककर सुनता। उनकी आवाज में दर्द और हिम्मत का ऐसा मेल था कि लोगों के दिलों में इंकलाब पैदा हो जाता। मौलाना ने आज़ादी की तहरीक को मज़हबी रंग देने के बजाए इसे इंसाफ़ और इंसानी हुक़ूक की लड़ाई के तौर पर पेश किया। उन्होंने मुसलमानों में इल्म, तालीम और सियासी बेदारी पैदा करने पर ज़ोर दिया। उनके खुत्बों और तहरीरों में कुरआन और हदीस के हवाले होते थे, लेकिन उनका पैग़ाम इंसानियत और इंसाफ पर मबनी होता था। उन्होंने अपनी कौम को बताया कि अगर वह तालीम हासिल नहीं करेंगे, तो उनका हाल गुलामी के सिवा कुछ नहीं होगा। उनका अखबार 'हमदर्द' उनके जज़्बात और उनके मक़सद का आईना था। उन्होंने अपने अखबार के ज़रिये अंग्रेज़ों के ज़ुल्म और नाइंसाफी को दुनिया के सामने रखा और मुसलमानों के हक़ में आवाज़ उठाई। इसी वजह से अंग्रेज़ हुकूमत ने कई बार उनके अखबार को बंद किया और उन्हें जेल में डाल दिया। लेकिन मौलाना ने हिम्मत नहीं हारी। मौलाना मोहम्मद अली ने मुसलमानों में तालीम और तहरीक की रूह फूंकी, लेकिन अफसोस कि वह अपनी कौम को आज़ाद देखे बगैर दुनिया से रुख़सत हो गए। उनकी सेहत जेल में रहने की वजह से खराब हो गई थी। 4 जनवरी 1931 को लंदन में वफ़ा कर गए। मरने से पहले उन्होंने कहा था कि अगर मुझे आज़ाद हिंदुस्तान में दफ़न न किया जाए, तो मुझे हिंदुस्तान की मिट्टी में दफ़न मत करना। उनकी यह हसरत पूरी हुई और उन्हें यरूशलम में दफन किया गया। उनकी ज़िंदगी हमें यह सिखाती है कि अगर किसी मक़सद के लिए सच्चाई और ईमानदारी से खड़े हो जाएं, तो पूरी कौम में इंकलाब आ सकता है। उन्होंने दिखाया कि कलम की ताकत तलवार से ज्यादा होती है और एक सच्चे इंसान की आवाज़, बड़े से बड़े हुक्मरानों की नींद उड़ा सकती है। उन्होंने खिलाफ़त तहरीक और आज़ादी की जंग को इस्लामी उसूलों और इंसानी हुक़ूक की बुनियाद पर खड़ा किया। आज जब हम आज़ाद फिज़ा में सांस ले रहे हैं, हमें मौलाना मोहम्मद अली जौहर जैसे बहादुर रहनुमाओं की कुर्बानियों को याद रखना चाहिए। उन्होंने हमें आवाज़ उठाने का हौसला दिया, इंसाफ के लिए लड़ने का जज़्बा दिया।

कम पानी वाले उपलब्ध क्षेत्रों में बांस उत्पादन, उससे होने वाले लाभों पर हुआ विमर्श

-आर्थिक लाभ हेतु काश्तकारों को बांस उत्पादन के लिए प्रोत्साहन मिले- राज्यपाल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राजस्थान के काश्तकारों के लिए बांस उत्पादन की संभावनाओं पर प्रभावी योजना बनाकर कार्य किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी कम पानी वाले क्षेत्रों की प्रदेश की उपलब्ध भूमि पर बांस उगाने और इससे जुड़े उत्पादन की विपणन कार्य योजना तैयार करें ताकि इससे काश्तकारों को अधिक से अधिक आर्थिक लाभ मिल सके।

बागडे शुक्रवार को राजभवन में ग्रामीण आजीविका सृजन में बांस की भूमिका विषयक विशेष बैठक में संबोधित कर रहे थे। महाराष्ट्र में बांस से जुड़े उत्पादों से काश्तकारों को होने वाले लाभ और इसके बढ़ते पर्यावरण और आर्थिक महत्व को देखते हुए राजस्थान में भी इस संबंध में संभावनाओं के मद्देनजर यह बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में बांस उत्पादन विशेषज्ञ और महाराष्ट्र मुख्यमंत्री टास्क फोर्स, पर्यावरण एवं सतत विकास के अध्यक्ष पाशा पटेल को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि राजस्थान में कम पानी वाले उपलब्ध क्षेत्रों में बांस की खेती को बढ़ावा देने की योजना पर विशेष रूप से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि बांस लगाने से काश्तकारों को आर्थिक लाभ ही नहीं होगा, प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के लिए भी तेजी से कार्य हो सकेगा।

राज्यपाल ने बांस लगाने के लिए काश्तकारों को प्रोत्साहित करने, उनको प्रशिक्षित करने और विशेष क्षेत्रों में बांस लगाने के सफल प्रयोग कर उन्हें किसानों को दिखाए जाने की व्यवस्था करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान की गर्म जलवायु के लिए बांस लगाना बहुत उपयोगी होगा। उन्होंने बड़े स्तर पर उपलब्ध भूमि का उपयोग बांस लगाने के लिए करने के लिए मानसिकता तैयार किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गरीब काश्तकारों को इसके लिए तैयार किया जाए। इस हेतु उन्हें बांस लगाने के बदले अनाज और दूसरी अनुदान योजनाओं से प्रेरित करने की बात कही।

बागडे ने कहा कि बांस घास की तरह तेजी से बढ़ता है। इसलिए भारत सरकार ने कानून में बदलाव कर वन भूमि के पौधों की बजाय इसे घास श्रेणी में रखा है ताकि इसका आर्थिक रूप में किसानों को लाभ मिल सके। इसके निर्यात से राष्ट्र का आर्थिक विकास हो सके।

उन्होंने राजस्थान में बांस उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही बांस उत्पादन में विविधता के लिए भी प्रशिक्षण प्रदान कर काश्तकारों को प्रोत्साहित किए जाने का आह्वान किया।

जनसंख्या नियंत्रण के लिए जमीनी स्तर पर करने होंगे प्रयास - जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग की और से शुक्रवार को उदयपुर में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में समारोह आयोजित किया गया।

जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री खराड़ी ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए जमीनी स्तर पर प्रयासों पर बल दिया। न्यायाधीश शर्मा ने बढ़ती जनसंख्या के कारण घटते प्रकृति संसाधनों की चर्चा की और बाल -विवाह एवं बालश्रम जैसी कुरीतियों के बढ़ने के बारे में बताया। शहर विधायक जैन ने बताया कि जिले को दिए गए परिवार कल्याण के लक्ष्यों को ए एन एम व आशाओं द्वारा समय पर पूरा किया जाए जिससे उदयपुर जिला समय रहते अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

सीएमएचओ डॉ. अशोक आदित्य ने बताया कि कार्यक्रम में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राज्य सभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन बतौर अतिथि उपस्थित रहे। सीएमएचओ डॉ. आदित्य ने इस वर्ष की थीम ''मां बनने की उम्र वहीं, जब तन और मन की तैयारी सही'' के बारे में बताते हुए परिवार कल्याण के लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करने के निर्देश दिए। उसके लिए आवश्यकता होने पर दूसरे विभागों और निजी अस्पताल से सहायता लेने के लिए कहा है।

राज्य सभा सांसद गरासिया ने बताया कि हमारा देश विश्व में जनसंख्या के हिसाब से प्रथम स्थान पर है। जनसंख्या नियंत्रण आवश्यक हो गया है, सीमित संसाधनों के कारण देश में बेरोजगारी बढ़ रही है। हम यदि अपने जनसंख्या नियंत्रण से संबंधित लक्ष्य को समय पर पूरा नहीं करेंगे तो हमारी आने वाली पीढ़ियां इसके दुष्परिणामों से प्रभावित होंगी।

कार्यक्रम में आरसीएचओ डॉ. राकेश गुप्ता, शहर प्रभारी डॉ. कैलाश शर्मा, डीपीएम सदाकत अहमद, डीपीसी आरएमएससी डॉ. मोहन सिंह धाकड़ व जिला स्तर के अधिकारी, एएनएम व आशा सहयोगिनी उपस्थित थे।

गिर्वा पंचायत प्रथम, राज्य स्तर पर सम्मानित-

अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी परिवार कल्याण डॉ. अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष परिवार नियोजन के लक्ष्य प्राप्त करने में गिर्वा पंचायत प्रथम स्थान पर रही है। बीसीएमओ डॉ. निधि यादव का राज्य स्तरीय समारोह में सम्मान कर प्रशस्ति-पत्र दिया गया। द्वितीय स्थान पर कोटडा पंचायत रही। समारोह में जिला चिकित्सालय भींडर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मादड़ी , प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सवीना और मामेर को परिवार कल्याण सेवाओं में उत्कृष्ट रहने पर प्रशस्ति पत्र और पारितोषिक दिया गया। सीएचसी नाई को 92 प्रतिशत पीपीआईयूसीडी और सेटेलाइट हास्पीटल बड़गांव को 73 प्रतिशत पीपीआईयूसीडी के लिए सम्मानित किया गया। पंचायत स्तर पर परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वाधिक नसबंदी केसेज के लिए उमरीया, गिर्वा और सरे, बड़गांव को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। आठ और पंचायत समितियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा डॉ. सुरेन्द्र यादव, डॉ. दिलीप सोनी, डॉ. एस के सामर, डॉ. शुभम गोयल, डॉ. अजय देव, नर्सिंग अधिकारी गणेश प्रकाश चौधरी, बीपीओ कल्पना सेन, बीपीओ हितेश सामर, बीएएफ मनीषा गखरेचा, बीएएफ जगदीश चौबीसा, मोहम्मद हुसैन बोहरा, घनश्याम सोनी को परिवार कल्याण मे उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। परिवार कल्याण के सेवा कार्यों के लिए उदयपुर के सभी क्षेत्रों के चिकित्सा कर्मियों को सम्मानित किया। श्रेष्ठ एनजीओ एफआरएचएस, श्रेष्ठ मेडिकल कॉलेज गीतांजलि मेडिकल कॉलेज, श्रेष्ठ निजी हास्पीटल हरि ओम हास्पीटल को सम्मानित किया गया। कायाकल्प कार्यक्रम में शोभागपुरा, बड़गांव प्रथम, रख्यावल,खेमली द्वितीय और ढोल,नांदेश्मा तृतीय स्थान पर रहे। 11 अन्य संस्थानों को भी सम्मानित किया गया।

जेडीए ने चार बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी को किया ध्वसत

-सुओमोटो के तहत सड़क सीमा में आ रह अतिक्रमणों को हटाए

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-10 मालपुरा डूंगर सुमेल के खसरा नं. 69 जेडीए स्वामित्व की करीब 05 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। निजी खातेदारी करीब 04 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। जोन-पीआरएन-साउथ में सुओमोटो के तहत गणपति एनक्लेव की रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। सुओमोटो के तहत पत्रकार रोड़ विनायक सरोवर के बीच रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-13 ग्राम अन्नतपुरा में व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बनी 02 अवैध दुकानों की पुख्ता सीलिग की कार्यवाही की गई।

महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित मालपुरा डूंगर सुमेल के खसरा नं. 69 जेडीए स्वामित्व की करीब 05 बीघा सरकारी भूमि पर कब्जा-अतिक्रमण कर बाउण्ड्रीवालों का अवैध निर्माण किये जाने की सूचना प्राप्त हो्रने पर आज उपायुक्त जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते एवं जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर जेडीए स्वामित्व की सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जामडोली, जिला जयपुर में करीब 04 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "शिव वाटिका" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के, बाउन्ड्रीवाल, पिल्लर व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायतासे ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जोन-पीआरएन-साउथ के क्षेत्राधिकार में अवस्थित गणपति एनक्लेव की रोड़ सीमा में करीब 12 स्थानों पर कब्जा-अतिक्रमण कर अवैध रूप से अत्यधिक लम्बाई में बने चबूतरें, सीढ़ियां, दीवार इत्यादि किये गये अतिक्रमणों के संबंध में अतिक्रमणकर्ताओं को सुओमोटो के तहत नोटिस जारी कर मुनादी की गई एवं अतिक्रमण हटाने हेतु पाबंद किया गया परन्तु अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाने पर प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा शुक्रवार को जोन-पीआरएन-साउथ के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

जोन-पीआरएन-साउथ के क्षेत्राधिकार में अवस्थित पत्रकार रोड़ विनायक सरोवर के बीच रोड़ सीमा में करीब 12 स्थानों पर कब्जा-अतिक्रमण कर अवैध रूप से लगाये गये लोहे के एंगल, जालियां/दीवारों से निर्मित एनक्लोज़र, अत्यधिक लम्बाई में बने चबूतरें, रैम्प इत्यादि किये गये अतिक्रमणों के संबंध में अतिक्रमणकर्ताओं को सुओमोटो के तहत नोटिस जारी कर मुनादी की गई एवं अतिक्रमण हटाने हेतु पाबंद किया गया परन्तु अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाने पर प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा शुक्रवार को जोन-पीआरएन-साउथ के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

-18 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 8 केन्टर सामान जब्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में एलबीएस कॉलेज, गोविन्द मार्ग, रविन्द्र मंच, अजमेरी गेट, कनक वृन्दावन 200 फीट बाईपास, लालरपुरा, गांधीपथ जयपुर मॉल के पास, हल्दीघाटी डी-मार्ट प्रताप नगर आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 18 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 8 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में एलबीएस कॉलेज, गोविन्द मार्ग, रविन्द्र मंच, अजमेरी गेट, कनक वृन्दावन 200 फीट बाईपास, लालरपुरा, गांधीपथ जयपुर मॉल के पास, हल्दीघाटी डी-मार्ट प्रताप नगर आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 8 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 18 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाने का जरिया बना पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा

- 16 विभागों द्वारा आमजन से जुड़े 63 तरह के कार्यों को मौके पर ही दिया गया अंजाम

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल के तहत जयपुर में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े ने सुशासन को साकार करते हुए अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाने का काम किया है। जयपुर में शिविरों के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविरों की नियमित मॉनिटरिंग की। शिविरों में 16 विभागों द्वारा आमजन से जुड़े 63 तरह के कार्यों को मौके पर ही अंजाम दिया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत जयपुर जिले में आयोजित 477 शिविरों में कुल 51 लाख 20 हजार 198 तरह के कार्यों का सफलतापूर्वक संपादन किया गया। जिसके अंतर्गत राजस्व विभाग के 21 हजार 351, ग्रामीण विकास विभाग के 4 लाख 97 हजार 842, पंचायती राज विभाग के 5 लाख 4 हजार 740, विद्त विभाग के 82 हजार 236, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के 26 हजार 680, जल संसाधन विभाग के 67 हजार 384 कार्यों का संपादन किया गया है।

वहीं, कृषि विभाग के 80 हजार 501, वन विभाग के 18 लाख 12 हजार 484, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के 1 लाख 51 हजार 861, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 8 लाख 53 हजार 12, पशुपालन विभाग के 5 लाख 86 हजार 398, जनजातीय विकास विभाग के 28, शिक्षा विभाग के 4 लाख 22 हजार 875, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के 12 हजार 706 एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के 13 हजार 315 कार्यों का सफलतापूर्वक संपादन कर लाखों आमजन तक राहत पहुंचाई गई है।

जयपुर जिले के आमेर उपखंड में आयोजित 23 शिविरों में 4 लाख 48 हजार 250, सांभर में आयोजित 21 शिविरों में 2 लाख 69 हजार 458, जोबनेर में आयोजित 22 शिविरों में 2 लाख 48 हजार 557, जयपुर प्रथम उपखंड में आयोजित 14 शिविरों में 1 लाख 47 हजार 971, दूदू में आयोजित 18 शिविरों में 2 लाख 41 हजार 656, मौजमाबाद में आयोजित 23 शिविरों में 2 लाख 55 हजार 983, फागी में आयोजित 19 शिविरों में 3 लाख 30 हजार 203, शाहपुरा में आयोजित 34 शिविरों में 4 लाख 34 हजार 804, बस्सी में आयोजित 52 शिविरों में 3 लाख 28 हजार 92 कार्यों का निस्तारण किया गया।

वहीं, किशनगढ़ रेनवाल में आयोजित 25 शिविरों में 2 लाख 51 हजार 697, सांगानेर में आयोजित 17 शिविरों में 1 लाख 69 हजार 23, चाकसू में आयोजित 47 शिविरों में 3 लाख 55 हजार 802, जमवारामगढ़ में आयोजित 57 शिविरों में 5 लाख 17 हजार 736, रामपुरा डाबड़ी में आयोजित 36 शिविरों में 2 लाख 99 हजार 356, चौमूं में आयोजित 47 शिविरों में 6 लाख 51 हजार 391, माधोराजपुरा में आयोजित 22 शिविरों में एक लाख 70 हजार 219 कार्य हुए।

राजस्थान एआई पॉलिसी-2025 के प्रारूप पर स्टेक होल्डर्स की परामर्श कार्यशाला

-राजस्थान बनेगा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) विकास का उभरता केंद्र

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग राजस्थान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पॉलिसी-2025 लाने जा रहा है, जिसका उद्देश्य राज्य को जिम्मेदार, समावेशी और नवाचार-प्रधान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) विकास का उभरता केंद्र बनाना है। विभाग की शासन सचिव श्रीमती अर्चना सिंह ने कहा कि यह नीति स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और शहरी प्रशासन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग को बढ़ावा देगी, ताकि जन-केंद्रित सेवाओं में सुधार हो और आर्थिक विकास को गति मिले।

शासन सचिव श्रीमती अर्चना सिंह शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय एआई पॉलिसी स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। कार्यशाला में राजस्थान एआई पॉलिसी-2025 के मसौदे पर चर्चा की गई, जिसे विभाग की वेबसाइट पर सार्वजनिक किया गया है। श्रीमती अर्चना सिंह ने बताया कि कोई भी व्यक्ति इस मसौदे पर अपनी राय और सुझाव साझा कर सकता है।

देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधियों ने रखे विचार

दो सत्रों में आयोजित हुई इस कार्यशाला के पहले सत्र में ऑरेकल, आईबीएम, ऑर्बिट, अर्नेस्ट एंड यंग, एनईसी जैसी एआई क्षेत्र की देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों से जुड़े प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया, जबकि दूसरे सत्र में आईआईएम उदयपुर, आईआईटी कानपुर, आईआईटी जोधपुर और एमएनआईटी जयपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स और एआई के विद्यार्थियों ने ड्राफ्ट पॉलिसी पर अपने विचार रखे।

एनईसी कंपनी के प्रतिनिधि दीपक पठानिया ने इस नीति को लाने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित तौर पर यह पॉलिसी प्रदेश के लिए बेहद कारगर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पॉलिसी लागू करते समय व्यावहारिक अप्रोच का उपयोग करे, जिससे कि हर स्तर पर एआई के उपयोग को सफल बनाया जा सके एवं नीति के प्रारूप में सम्मिलित होने से शेष रही सम्भावनाओं को भी पॉलिसी में समाहित किया जा सके।

अर्नेस्ट एंड यंग की प्रतिनिधि सुश्री विभा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ड्राफ्ट एआई पॉलिसी में आवश्यक महत्वपूर्ण घटकों को शामिल किया गया है। उन्होंने पॉलिसी को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए प्लेबुक का सुझाव दिया, जिससे एआई उपयोग के नैतिक नियमों को प्रायोगिक तौर पर समझा जा सके।

स्वयंसेवी संस्था डिजिटल एम्पॉवरमेंट फाउंडेशन के प्रतिनिधि सौरभ श्रीवास्तव ने पॉलिसी से प्रदेश की महिलाओं, विशेष योग्यजनों एवं वृद्धजनों पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के सम्बंध में बात कही। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का तर्क देते हुए ग्रीन डेटा सेंटर का सुझाव दिया तथा एआई के उपयोग से होने वाले विभिन्न तरह के वित्तीय फ्रॉड और डीपफेक जैसी चुनौतियों से निपटने के उपायों को पॉलिसी में समाहित करने का सुझाव दिया।

डेश एआई ग्लासेज स्टार्टअप के संस्थापक हिमांशु डागा ने एआई की विश्वसनीयता तथा समाज के प्रति जवाबदेही के संबंध में विचार व्यक्त किए। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर की वाइस चांसलर श्रीमती गुरप्रीत कौर ने एआई के कानूनी परिप्रेक्ष्य में उपयोग को साझा किया और शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों को एआई टूल्स से प्रशिक्षित करने पर बल दिया।

राजस्थान एआई पॉलिसी-2025

नीति के प्रमुख उद्देश्यों में सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार, नैतिक और जिम्मेदार एआई विकास, मजबूत कानूनी ढांचे की स्थापना, कुशल कार्यबल तैयार करना, नवाचार को बढ़ावा देना और समावेशी पहुंच सुनिश्चित करना शामिल है। इसके लिए तीन प्रमुख कारक निर्धारित किए गए हैं: सरकारी स्तर पर नैतिक एआई अपनाना, कौशल विकास और अनुसंधान को प्रोत्साहन, और मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण।

बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

इस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एआई (सीओई-एआई) महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह केंद्र अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप्स को समर्थन देगा, साथ ही सरकारी, शैक्षणिक और निजी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देगा। नीति नेशनल इंडिया एआई मिशन के साथ संरेखित है और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाती है। नीति के मसौदे में बहु-स्तरीय संस्थागत ढांचे की स्थापना प्रस्तावित है, जिसमें एआई अपेक्स कमेटी, स्टीयरिंग कमेटी, एआई टास्क फोर्स और विभागीय एआई नोडल ऑफिसर शामिल हैं। यह नीति राजस्थान को जिम्मेदार और समावेशी एआई अपनाने में अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सड़क निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को अजमेर जिले के वार्ड 80 में स्थित आशापुरा नगर में शीतला माता मंदिर के पास विभिन्न गलियों में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इसमें लगभग 1600 मीटर लंबी सीसी सड़क का निर्माण किया जाएगा। सड़क निर्माण कार्य 85 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। इस निर्माण कार्य से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा होगी तथा वर्षा ऋतु में होने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का सशक्त विकास कराया जा रहा है। आशापुरा नगर क्षेत्र में सड़क निर्माण की वर्षों पुरानी मांग रही है। सड़क निर्माण कार्य क्षेत्र के लोगों के लिए सुविधाजनक, सुरक्षित और स्थाई आवागमन सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने कहा कि अजमेर शहर का समग्र विकास उनका प्रमुख लक्ष्य है। नगर निगम, अजमेर विकास प्राधिकरण एवं अन्य विभागों के समन्वय से आधारभूत संरचना विकास कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने बताया कि वार्ड स्तर पर योजनाबद्ध रूप से सड़कों, नालियों, पेयजल एवं विद्त सुविधाओं को सशक्त किया जा रहा है। इससे आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

देवनानी ने आमजन से अपील की कि विकास कार्यों में भागीदारी निभाते हुए वे स्वच्छता, सहयोग और निगरानी में भी सक्रिय रहें। इससे निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न हो सकेगा। सबके सहयोग से स्वच्छ, श्रेष्ठ एवं स्मार्ट अजमेर शहर का निर्माण होगा।

इस अवसर पर पार्षद धर्मेंद्र सिंह चौहान, विक्रम सिंह राठौड़, आशीष शर्मा, पंडित दिव्य प्रकाश, शकुंतला चौहान, राजू कुमार लालवानी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हैरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित हुए विधिक जागरूकता कार्यक्रम

-बढ़ती जनसंख्या मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती

पाली,(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं विक्रम सिंह भाटी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश), पाली के निर्देशानुसार विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आज शुक्रवार को विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन राजकीय बांगड़ उच्च माध्यमिक विद्यालय, पाली में मांगीलाल तंवर अधिकार मित्र द्वारा किया गया। शिविर में मांगीलाल तंवर ने बताया कि बढ़ती आबादी से जुडी समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से यह दिवस मनाया जाता है। दुनियाभर में बढ़ती आबादी के कारण देश में अशिक्षा, बेरोजगारी, गरीबी जैसे हालात पैदा हो रहे हैं। देश में बढ़ती जनसंख्या से निपटने के लिए परिवार नियोजन जैसे संसाधन मौजूद है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण इन संसाधनों का उपयोग नहीं हो रहा है। इसके साथ ही तंवर द्वारा नालसा द्वारा जारी नवीन योजनाएं यथा नालसा जागृति योजना, नालसा संवाद योजना, नालसा डाउन योजना, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, महिलाओं के कानूनी अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, निःशुल्क विधिक सहायता, पीड़ित प्रतिकर स्कीम, राष्ट्रीय लोक अदालत, बाल-विवाह निषेध अधिनियम, राष्ट्रीय लोक अदालत, नशे के दुष्प्रभाव आदि के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त तालुका विधिक सेवा समितियों के अधिकार मित्रों द्वारा भी उक्त दिवस के अवसर पर जागरूकता शिविरों का आयोजन कर आमजन को जागरूक किया। इस दौरान प्राधानाचार्य बसंत परिहार, महेश व्यास, राजेन्द्र जैन, गणपत पन्नू, संजीव शर्मा आदि उपस्थित रहें।

प्राणघातक हमले (अटेम्प्ट टू मर्डर) का आरोपी जमानत पर रिहा

-अधिवक्ता फिरोज खान ने अभियुक्त परवेज की पैरवी की

बारां,(रॉयल पत्रिका)। थाना छीपाबडोद ने फरियादी पवन की रिपोर्ट पर मुक़दमा संख्या 56/2025 धारा 126(2), 115(2), 352, 109,(1),118(1),61(2)(a), 191(2), 190 बीएनएस, एसटी/एससी की धारा 3(1)(r), 3(1)(s), 3(2)(va), व 4/25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया, जिसमे फरियादी ने कई लोगो के द्वारा मारपीट कर जानसे मारने की नीयत से चाकू से गर्दन पर वार करने का आरोप लगाया, पुलिस ने अनुसंधान के बाद परवेज, साजिद, अबरार, अखलाक, शाहिद, गफ्फार, आदिल को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, प्रकरण का मुख्य आरोपी परवेज को मानते हुवे कोर्ट में चालान पेश किया, परवेज का जमानत प्रार्थना पत्र बारां न्यायालय में पेश करने के बाद राजस्थान उच्च न्यायालय में पेश किया जिसकी जमानत उच्च न्यायालय ने स्वीकार करली, परवेज के जमानत मुचलके न्यायालय विशिष्ठ न्यायाधीश में अधिवक्ता फिरोज खान ने पेश किए जिस पर जिला कारागृह बारां ने परवेज को रिहा कर दिया, परवेज की पैरवी अधिवक्ता फिरोज खान ने की।

गुरु पूर्णिमा पर सुंदरकांड पाठ कर बालाजी महाराज को रिझाया

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर गुरु पूर्णिमा के पर्व पर वीरव्रती यज्ञ सम्राट प्रबल जी महाराज की पुण्य स्मृति में चौलावा कुएं के पास स्थित बालाजी महाराज मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया मंदिर के पुजारी पंडित महेश बावलिया ने बताया कि वीरवती प्रबल जी महाराज की पुण्य स्मृति में गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर बालाजी महाराज के मंदिर में सुंदरकांड का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय कलाकारों ने संगीतमय सुंदरकांड से श्रद्धालुओं को मंत्र मुक्त कर दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में पंडित महेश बावलियां ने बालाजी महाराज की ज्योत लेकर वैदिक मंत्रोच्चार से पूजा अर्चना की। इस अवसर पर विनोद टाईवाला,योगेश गौड़, सूर्यप्रकाश सरावगी,कांतिलाल बजाज,सज्जन पौदार,दिनेश जांगिड़,महेश मिश्रा,शिव रतन पुरोहित,बाल किशन बावलिया,कालू महर्षि,राजीव बहड,हरिमोहन कुदाल,दिनेश शर्मा,अजय दाधीच, जनार्दन शर्मा,कैलाश नोवल,विकाश अग्रवाल,राज अग्रवाल,रवि दाधीच, घनश्याम शर्मा,महेश हारित,प्रमोद बजाज,लालो बजाज ,राधेश्याम मिस्त्री,सहित अनेक मोहल्ले वासी उपस्थित रहे।

रतननगर मंडल बैठक में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने पर चर्चा

मोहम्मद अली पठान

चुरू/रतननगर,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के नजदीक रतन नगर में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार चुरू विधानसभा के रतननगर मंडल की बैठक रतननगर स्थित पोकरमल गेस्ट हाउस में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता असलम खां अखाण ने की। बैठक में मुख्य अतिथि चूरू विधानसभा प्रभारी भीमराज जाखड, विशिष्ठ अतिथि शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, ओबीसी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष नारायण बालाण थे। नगर अध्यक्ष असलम अखाण और नगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ठ अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। भीमराज जाखड़ नगर के कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए तथा उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में नगर के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होने तथा प्रत्येक बूथ स्तर पर कांग्रेस को मजबूत बनाने पर बल दिया, उन्होंने कहा की आज भारतीय संविधान खतरे में है बीजेपी सरकार द्वारा संविधान को तोड़ा मरोड़ा जा रहा है। नागरिकों के मूल अधिकार खतरे में है उनको बचाने के लिए हमें संगठित होना पड़ेगा और इन तानाशाही ताकतों के खिलाफ लड़ना पड़ेगा। कार्यक्रम के अंत में नगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मांग पर उन्होंने नगर कांग्रेस के कार्यालय का आश्वासन दिया। चुरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर ने कहा कि आज का युवा जागरुक है। उसकी भागीदारी से संगठन जमीनी स्तर पर मजबूत होता है। कांग्रेस ने हमेशा युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर दिए हैं। भविष्य में भी युवाओं के दम पर संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। ओबीसी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष नारायण बालाण ने कहा कि संगठन तभी आगे बढ़ेगा, जब हम व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर एकजुट होकर संगठन के हित में काम करेंगे। कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा और विचारधारा के प्रति समर्पण ही संगठन को हर स्तर पर मजबूती देता है। रतननगर मंडल अध्यक्ष असलम खां ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस दौरान चुरू जिला उपाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, नगर पालिका रतननगर के नेता प्रतिपक्ष नेता साबिर इलाही, पार्षद पूरणमल रैगर, जगनाराम मेघवाल, मुस्ताक मारवाड़ी, वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता छगनलाल चौधरी, शरीफ व्यापारी, योगेन्द्र मीणा, सुरेश गहलोत, हुणताराम जाट, सुरेंद्र ढण्ड,, मुंशी, मुकेश शर्मा, रफीक बडगूजर भूरामल भाटिया सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे। मंच का संचालन सदीक मनियार द्वारा किया गया।

कोटा के मीट व्यापारी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

-नगर निगम का सीलिंग आदेश निरस्त

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान हाईकोर्ट, जयपुर खंडपीठ ने शुक्रवार को कोटा के मीट व्यापारी शाहिद ख़ान को बड़ी राहत देते हुए नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा दुकान सील करने के आदेश को निरस्त कर दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति अनूप ढंढ ने सुनाया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अजीत कस्वा और अंसार इंदौरी ने प्रभावशाली और तथ्यों पर आधारित जोरदार पैरवी की। मीट व्यापारी शाहिद ख़ान की दुकान को नगर निगम ने 14 मई 2025 को सील कर दिया था। व्यापारी ने पहले नगर निगम आयुक्त व जिला कलेक्टर के समक्ष अपनी बात रखी, परंतु कोई राहत न मिलने पर उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अधिवक्ता अंसार इंदौरी ने बताया कि कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि नगर निगम की यह कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है और ग़ैरक़ानूनी तरीके से की गई थी। कोर्ट ने निगम के सीलिंग आदेश को विधिसम्मत नहीं मानते हुए पूरी तरह निरस्त कर दिया। गौरतलब है कि इससे पूर्व 30 मई 2025 को भी हाईकोर्ट ने मीट व्यापारी नदीम अंसारी के पक्ष में फैसला देते हुए ईद के मौके पर कोटा नगर निगम द्वारा की गई दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने तब भी स्पष्ट किया था कि धार्मिक त्योहारों के समय व्यापारियों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं किया जा सकता। कोटा नगर निगम ने बीते कुछ महीनों में कई मीट दुकानों को सील कर दिया था, जिससे स्थानीय व्यापारी वर्ग में भारी असंतोष था। शाहिद ख़ान की दुकान भी इसी कार्रवाई की शिकार बनी थी। लेकिन अब हाईकोर्ट के इस निर्णय से न केवल शाहिद ख़ान को न्याय मिला है, बल्कि अन्य मीट व्यापारियों को भी राहत की उम्मीद जगी है। इस ऐतिहासिक फैसले में न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि प्रशासनिक कार्रवाई करते समय संवैधानिक अधिकारों, विशेषकर प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत और व्यापार करने के मूल अधिकार का सम्मान किया जाना आवश्यक है। वकील अजीत कस्वा और अंसार इंदौरी की इस सफल पैरवी को कानूनी हलकों में महत्वपूर्ण जीत माना जा रहा है।

कलक्टर ने प्रवेश उत्सव, पोषण, आधारभूत ढांचे और हरियालो राजस्थान की समीक्षा की

-जिला निष्पादक समिति की बैठक,शिक्षा से कोई बच्चा न छूटे

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। जिला निष्पादक समिति की बैठक शुक्रवार को कलक्टर पीयूष समारिया की अध्यक्षता में सीडीईओ कार्यालय, श्रीपुरा कोलीपाड़ा में आयोजित की गई। बैठक में जिले की शिक्षा व्यवस्था, विद्यालय स्तर पर आधारभूत ढांचे की स्थिति, प्रवेश उत्सव की प्रगति, बच्चों के स्वास्थ्य, डिजिटल मॉनिटरिंग, हरियालो राजस्थान, शाला दर्पण पोर्टल, निजी विद्यालयों की भूमिका और अभिभावकों की भागीदारी जैसे बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। कलक्टर ने प्रत्येक बिंदु पर संबंधित विभागों और अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में सीडीईओ योगेश पारीख ने प्रजेंटेशन के माध्यम से समस्त योजनाओं की जानकारी दी। वही जिला शिक्षा अधिकारी के के शर्मा ने विभिन्न पोर्टल पर जिले की प्रगति एवं कार्ययोजना से अवगत कराया।

फालना की प्रसिद्ध ओटोबा इंडस्ट्रीज में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

-फंगस लगे व कीड़े पड़े अवधि पार 930 किलो आचार करवाया नष्ट

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुये आयुक्त खाद्य सुरक्षा औषधि नियंत्रण एच गुईटे सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल के दिशा निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चंद शर्मा के नेतृत्व में फालना की आचार व मसाले उत्पादन इकाई ऑटोबा इंडस्ट्रीज पर दबिश देकर एक बड़ी कारवाई को अंजाम दिया गया। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मय दल द्वारा निरीक्षण में पाया कि आचार निर्माण करने वाली इस कंपनी में फैक्ट्री में 12 से अधिक प्लास्टिक टंकी में फंगस व कीड़ों से संक्रमित आचार पाया गया। सड़े व बदबूदार गंध युक्त आचार की पैकिंग होने की आशंका पर टीम ने सभी प्लास्टिक टंकियों को चेक किया, जिसमें फैक्ट्री में पैकिंग होने वाले मध्य अनेक अवधि पार फंगस व कीड़े लगे आचार को जब्त कर तथा 930 किलो आचार को नगर पालिका के कचरा संग्रहण में नष्ट करवाया गया। कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल को ओटोबा इंडस्ट्रीज में कई तरह की अनियमितताएं देखने को मिली। जिस पर कारवाई करते हुए आचार व मसाले के सैंपल लिए। जिन्हें जांच हेतु प्रयोगशाला भिजवाया गया। टीम में डीईओ ओम प्रकाश प्रजापत, लक्ष्मणदान चारण साथ रहे। इधर, फालना रिको इंडस्ट्रीयल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मय टीम सहित दूध चीलिंग प्लांट का निरक्षण किया, जिसमें आशा महिला मिल्क प्रोड्यूसर लिमिटेड कंपनी द्वारा संचालित दूध सीलिंग प्लांट में अनेक अनियमितता पाई गई। जिसको खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा हिदायत देखकर अनियमित का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

चुरु में नहरी पेयजल मिलेगा दैनिक मांग के अनुसार पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं विधायक हरलाल सहारण

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ और चूरू विधायक हरलाल सहारण के प्रयासो से अब चुरू में नहरी पेयजल की आपूर्ति दैनिक मांग के अनुसार होगी।जल जीवन मिशन के अंतर्गत अपनी योजना के करमसाना फीडर का कार्य आदेश 10. जुलाई 2025 को कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियंता जन स्वा अभि विभाग क्षेत्र चूरू द्वारा जारी किया गया। इस कार्य के अंतर्गत करमसाना में 800 एम एल के नए डैम का निर्माण और 60 एम एल डी के जल शोधन संयंत्र का पुनरुद्धार का कार्य किया जाना शामिल है। इस कार्य के संपादित होने के पश्चात चुरू को नहरी पेयजल दैनिक मांग के अनुसार मिलेगा तथा पूरे चूरू क्षेत्र में नहरी पेयजल की आपूर्ति की जानी संभव होगी।इसके अतिरिक्त कार्य में साहवा में 600 एम एल के नए डैम के निर्माण के साथ साथ साहवा के 27 एम एल डी के जल शोधन संयंत्र का पुनरुद्धार का कार्य किया जाएगा। इससे तारानगर विधान सभा के साहवा के क्षेत्र में दैनिक मांग के अनुसार नहरी पेयजल की आपूर्ति की जा सकेगी परियोजना कार्य में गंधेंली से करमसाना तक आने वाली नहर को बंद करके नहरी जल को लोहे के बंद पाइप से लाया जाना भी प्रस्तावित है। इस से नहरी जल की चोरी और छीजत रोकने में मदद मिलेगी तथा आमजन को और अधिक मात्रा में नहरी पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। परियोजना कार्य में सभी पंप हाउस में पुरानी पंपिंग मशीनरी हटाकर नई पंपिंग मशीनरी लगाया जाना भी प्रस्तावित है जिस से विदृत की बचत होगी तथा पानी की आवक में बढ़ोतरी होगी। परियोजना कार्य में जिला चुरू के तारानगर विधानसभा के 66 गांव और 14 ढाणियों नए उच्च जलाशयो का निर्माण करवाया जायेगा।जलजीवन मिशन के अन्तर्गत सरकार का यह उदेश्य है कि क्षेत्र के सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रो के घरो तक पीने का शुद्व पेयजल उपलब्ध करवाया जा सके। चूरू जिले में इस योजना के अन्तर्गत पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण ने लगातार प्रयास कर आपणी योजना के अन्तर्गत करमसाना पेयजल परियोजना का लगभग 271 करोड़ का कार्यादेश जारी किया गया है। इस परियोजना के क्रियान्विती पर चूरू और तारानगर के साहवा क्षेत्र के लगभग सभी गांव और ढाणियों तक इस योजना के तहत नहरी पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। जो कि एक महत्वपूर्ण और जन उपयोगी कार्य है। इस अवसर पर पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि इस योजना के धरातल पर उतरने पर क्षेत्र के ग्रामीण अंचल के लेगो को पेयजल संबंधि समस्या का समाधान होगा। उन्होने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार आमजन के हित के लिए कार्य कर रही है। जिस प्रकार प्रदेश सरकार पानी बिजली को लेकर धरातल पर कार्य कर रही है उसका परिणाम शीध्र ही सामने आयेगा और आने वाले समय में क्षेत्र के लेगो को पानी और बिजली से संबंधित अनेक योजनाओं का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने इस धोषणा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुऐ कहा कि क्षेत्र के लेगो की काफी समय से यह मांग थी। और पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ और मेरे द्वारा इस समस्या के समाधान के लिए वृहत रूप से प्रयास किये जिसके परिणामस्वरूप यह धोषणा प्रदेश सरकार द्वारा की गई है। इस योजना से चुरू और साहवा क्षेत्र के लगभग सभी ग्रामीणो को लाभ मिलेगा जो कि एक सकारात्मक कदम है। जल जीवन मिशन में करमसाना योजना की स्वीकृति और कार्य आदेश जारी करने के लिए पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण सहित सभी लोगो ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का आभार व्यक्त किया है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में पौधारोपण किया गया

-पर्यावरण को बचाने के लिए पेड पौध लगाने जरुरी

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर प्रधानाचार्य के नेतृत्व में मेडिकल कॉलेज चूरू में आज पौधारोपण कार्यक्रम किया गया जिसमें करीब 400 पौधे लगाए गए और ट्री गार्ड लगाए गए मेडिकल कॉलेज चूरू द्वारा हरियाला राजस्थान के तहत बारिश के मौसम को देखते हुए पूर्व में भी करीब 1000 पौधे लगाए गए थे प्रधानाचार्य डॉक्टर महेश मोहनलाल पुकार ने बताया कि प्रकृति को बचाने के लिए सभी को कम से कम एक पौधा लगाना आवश्यक है और उसके देखभाल करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बन जाती है इस दौरान पौधारोपण कार्यक्रम में डॉ जितेंद्र सोलंकी, डॉक्टर रमाकांत वर्मा, डॉ रतन अग्रवाल, डॉ संदीप कुल्हारी, डॉक्टर मनीष चाहर, डॉ दिनेश कुमार मिल, बीएससी नर्सिंग कॉलेज प्रधानाचार्य दयानंद बुडानिया, रमेश कविता ,सुमन, जावेद, सहित चिकित्सा अधिकारी चिकित्सक शिक्षक नर्सिंग अधिकारी एवं अन्य स्टाफ महाविद्यालय विद्यार्थी बीएससी नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थी नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे। और पौधारोपण किया।

उदयपुर में दुर्लभ बीमारी का बिना सर्जरी हुआ सफल इलाज

-गीतांजली हॉस्पिटल में 3 साल से पीड़ित महिला को मिली नई ज़िंदगी

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर ने एक महिला रोगी (39 वर्ष) पिछले 3 वर्षों से लगातार खांसी से पीड़ित थीं। प्रारंभ में उन्हें फेफड़ों की टीबी (Pulmonary Tuberculosis) का इलाज दिया गया, जो सामान्यतः छह महीनों में पूरा हो जाता है। लेकिन इलाज के बावजूद उनकी खांसी थम नहीं रही थी, जिससे उनका जीवन अत्यंत कष्टदायक हो गया था।

समस्या की जड़ को जानने के लिए रोगी को गीतांजली हॉस्पिटल के टीबी एवं चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव छाबड़ा ने गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉ. पंकज गुप्ता को रोगी को दिखने की सलाह दी। विस्तृत जांच और एंडोस्कोपी से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि रोगी की श्वास नली (Trachea) और भोजन नली (Esophagus) के बीच एक छेद (Tracheo-esophageal Fistula) बन गया था। यह स्थिति अत्यंत दुर्लभ होती है और सामान्यतः कैंसर जैसी जटिल बीमारियों में देखी जाती है। इस मरीज में यह समस्या पूर्व में हुई टीबी की वजह से उत्पन्न हुई थी — जो चिकित्सकीय दृष्टि से अत्यंत असामान्य है।

इलाज की चुनौतीपूर्ण स्थिति को देखते हुए दो विकल्पों पर विचार किया गया: ओपन सर्जरी द्वारा फिस्टुला को बंद करना या एंडोस्कोपी से आधुनिक क्लिपिंग तकनीक द्वारा इसे ठीक करना। मरीज और उनके परिजनों को दोनों विकल्पों की जानकारी दी गई। अंततः एंडोस्कोपी से इलाज को प्राथमिकता दी गई।

डॉ. पंकज गुप्ता और उनकी टीम ने लगभग 10 मिनट की प्रक्रिया में अत्याधुनिक एंडोस्कोपिक क्लिप लगाकर फिस्टुला को बंद कर दिया| मरीज को सिर्फ 48 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखा गया और पूरी तरह स्वस्थ होने पर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। आज मरीज पूरी तरह स्वस्थ हैं और नियमित फॉलोअप पर हैं।

गीतांजली हॉस्पिटल की इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि अब जटिल और दुर्लभ बीमारियों का इलाज सिर्फ दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों तक सीमित नहीं रहा। आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ डॉक्टरों और पूरी तरह सुसज्जित चिकित्सा सुविधाओं के साथ गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर में विश्वस्तरीय इलाज संभव है।

राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी की घोषणा

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हाजी अतीक अहमद के दिशा निर्देशन में चूरू जिला रकमा के सदस्यों में से निम्नलिखित जिला कार्यकारिणी में निम्न पदों पर मनोनीत किया गया है। जिसमें संरक्षक डॉ. कादिर हुसैन यूनानी चिकित्सा अधिकारी, डॉ. एम एम शेख प्रोफेसर, डॉ. शमशाद अली सहायक प्रोफेसर, डॉ. शौकत अली कृषि वैज्ञानिक, रमजान खान रिटा.एपभो, एवं सलाहकार डॉ. जावेद खान सहायक प्रोफेसर, डॉ. साजिद चौहान चिकित्सा अधिकारी, सलीम एडिपी, डॉ. अहसान गौरी एसीएमओ, डॉ. इदरीस खान उप अधीक्षक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. अरसद हुसैन सहायक प्रोफेसर तारानगर, अयुब खान सिनियर ला आफिसर एवं उपाध्यक्ष आमीन खान रिटा सहायक स्टेशन मास्टर, इमरान खान पीएचईडी, आसीफ अंसारी जेटीए पंचायत समिति, डॉ. इरफान सैयद चिकित्सा अधिकारी, इफ्तेखार चायल एएओ और महासचिव जाकिर हुसैन एएओ, कयुम खान लेक्चरार और प्रवक्ता मोहसिन खान टेक्नीशियन विद्रत वितरण निगम एवं कोषाध्यक्ष मोहम्मद वसीम अली वरिष्ठ अध्यापक व संयुक्त सचिव जमील अहमद वरिष्ठ अध्यापक, सीकंदर बी खान अध्यापक, युनुस विद्रत वितरण निगम, मोहम्मद आबिद मंसूर प्रबोधक,जुलकर सांख्यिकी विभाग, आबिद मोयल कार्यालय सहायक और संगठन सचिव बिलाल अध्यापक, इमरान गौरी, शमशेर खान इस्माइल खानी, इमरान मौलानी रफीक खान अध्यापक, आफताब अहमद कनिष्ठ सहायक एवं महिला प्रतिनिधि डॉ. समर भाटी कार्यालय सचिव, अब्दुल दाऊद अली एल डी सी और सदस्य डॉ. आरिफ मलिक होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी, गुलाम मोहिउद्दीन रिटा लेक्चरार, खादिम अली अध्यापक, नियाज मोहम्मद अध्यापक, हारुन तेली, मनोनीत सदस्य एवं पदाधिकारी बनाए गए।

'फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिराज के गांव खिंवादी पहुंचे केन्द्रीय मंत्री शेखावत'

-ऋषिराज सिंह देवड़ा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

पाली, (रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय संस्कृति एवम् पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत आज पाली के खिंवादी गांव पहुंचे और चूरू (राजस्थान) में एयर फोर्स के फ़ाइटर जेट जगुआर एयरक्राफ्ट हादसे में शहीद हुए वीर सपूत फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिराज सिंह देवड़ा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। शहीद को पुष्पांजलि करने के बाद पिता जसवंत सिंह देवड़ा को गले लगाया और वीर पुत्र की शहादत पर नमन किया ढाढस बंधाया। इस दौरान राजस्थान सरकार के पशु पालन डेयरी गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, सुनील भंडारी, पाली डेयरी के चेयरमैन प्रताप सिंह बीठिया, जगत सिंह सिंदरू सहित अनेक पदाधिकारी जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर गुरुवंदन कार्यक्रम में किया धर्मगुरुओं का सम्मान

-धर्मगुरुओं को भेंट किये श्रीफल एवं शॉल

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरूवार को गुरूवंदन कार्यक्रम का आयोजन माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार विभिन्न स्थानों पर किया गया। इन कार्यक्रमों में धर्मगुरूओं, संत, महात्मा, पुजारियों का सम्मान करते हुए उन्हें माननीय मुख्यमंत्री की ओर से भेजा गया गुरू वन्दन संदेश, श्रीफल और शॉल भेंट किए गए। गुरु वन्दन कार्यक्रम की प्रभारी वन्दना खोरवाल ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर्व के पावन अवसर पर गुरूवार को जिले के प्रतिष्ठित संतों-महंतों एवं गुरूओं का सम्मान स्वरूप गुरू वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ये कार्यक्रम जिला एवं उपखण्ड स्तर पर आयोजित हुए। गुरूवार को गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर राज्य सरकार की ओर से पूरे प्रदेश में गुरू वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के अलग-अलग उपखण्डों के दूरस्थ स्थानों पर स्थित प्रतिष्ठित संतों-महंतों एवं गुरूओं को एक साथ सम्मानित किया गया। गुरू वंदन कार्यक्रमानुसार चयनित संतों एवं गुरुओं को उनके आश्रमों तथा मंदिरों पर प्रशासन द्वारा जाकर सम्मानित किया जाएगा। इसमें सम्मान स्वरूप भेंट राशि 2100 रूपए, श्रीफल, शॉल, मिठाई का टोकरा एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की तरफ से गुरू वंदन संदेश भेंट किए गए। उन्होंने बताया कि इन धर्मगुरुओं को मुख्यमंत्री

भजनलाल शर्मा का गुरुवन्दन सन्देश भेंट किया गया। इसके अनुसार समस्त धर्मगुरु ज्ञान के स्त्रोत होने के साथ-साथ जीवन को दिशा देने वाले पथ प्रदर्शक है। ये समाज में आध्यात्मिक चेतना, संस्कार, सेवा तथा सद्भावना के संवाहक है। इनसे समृद्ध, सशक्त एवं शिक्षित राजस्थान के निर्माण का आर्शीवाद भी मांगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर वन्दना खोरवाल ने बताया कि गुरू पूर्णिमा के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले गुरू वंदन कार्यक्रम में प्रेम प्रकाश आश्रम वैशाली नगर के स्वामी रामप्रकाश (राजूराम) रामद्वारा पुरानी मण्डी के मेड़ता पीठाधीश्वर 108 मंहत स्वामी जी रामकिशोर जी महाराज का सम्मान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया। उपखण्ड अधिकारी पदमा देवी साथ थी। मसाणीया भैंरूजी राजगढ के सेन रत्न गुरू देव चम्पालाल जी महाराज (मुख्य उपासक) का गुरु वन्दन विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया। उपखण्ड अधिकारी देवीलाल यादव साथ थे। उन्होंने बताया कि अखिल भारतवर्षीय निम्बार्काचार्य पीठ निम्बार्क तीर्थ सलेमाबाद किशनगढ़ के अनन्त विभूषित जगतगुरु निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्यामशरण देवाचार्य महाराज तथा अरथल दादूद्वारा सुरसुरा किशनगढ़ के महन्त बक्षीराम दादूपंथी को केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी ने सम्मान प्रदान किया। उपखण्ड अधिकारी निशा सहारण भी उपस्थित रही। सुरसुरा में तहसीलदार कीर्ति भारद्वाज भी साथ थी। उन्होंने बताया कि आश्रम चुंगी चौकी पुष्कर के महन्त हनुमान उदासीन शांतानन्द, गीता आश्रम सवित्री तलहटी पुष्कर के महन्त अभिराम जी, हनुमान गढ़ी पुष्कर के महन्त बाल किशनदास जी तथा रामरखा आश्रम पुष्कर के महामण्डलेश्वर नन्दराम शरण से जल संरक्षण मंत्री सुरेश सिंह रावत ने आर्शीवाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी गौरव मित्तल एवं तहसीलदार साथ रहे।

जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन पर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के क्रियान्वयन और वर्ष 2025-26 की प्रगति पर जिला स्तरीय अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में जिला कलेक्टर ने विधानसभावार बजट घोषणाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को प्राथमिकता से कार्य करने के आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में भूमि आवंटन, उपलब्धता और चिह्नीकरण की स्थिति का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि 25 बेड क्षमता के नशामुक्ति केंद्र और 5 नवीन आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन शुरू हो गया है। आगामी दो वर्षों में पैक्स विहीन ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर जीएसएस स्थापित करने की योजना है। बीरमाना में पशु चिकित्सालय को प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नत किया गया है। इसके अतिरिक्त, घड़साना को नवीन नगरपालिका घोषित किया गया है।

प्रमुख विकास परियोजनाओं की समीक्षा

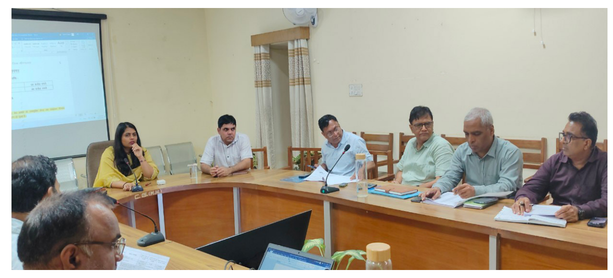

बैठक में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें शामिल है आदर्श आंगनवाड़ी, पेयजल योजनाएं, हनुमानगढ़ रोड नाला निर्माण कार्य, मेडिकल कॉलेज में कैंसर विंग की स्थापना, मिनी सचिवालय, आयुष्मान मॉडल सीएचसी, 10 हजार से अधिक आबादी वाली ग्राम पंचायतों में ओपन जिम और खेल मैदान, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय श्रीगंगानगर की प्रगति पर चर्चा की। जिला कलेक्टर ने अनूपगढ़ में मिनी फूड पार्क, रावला में 132 केवी जीएसएस, घड़साना में नवीन महाविद्यालय, अनूपगढ़ में महाविद्यालय स्तरीय छात्रावास और इंडोर हॉल के निर्माण के लिए जगह चिह्नीकरण की भी जानकारी ली। बैठक में यह भी बताया गया कि रायसिंहनगर, अनूपगढ़, घड़साना, रावला, विजयनगर के 44 हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में पक्के खालों का पुनर्निर्माण 200 करोड़ रूपये की लागत से किया जाएगा। जिला कलेक्टर ने इन सभी कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए, क्योंकि बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिला कलेक्टर ने बरसाती पानी की निकासी के लिए ड्रेनेज सिस्टम पर भी चर्चा की और नगर विकास न्यास तथा नगर परिषद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसमस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए विधायक जनसुनवाई केंद्र हेतु जगह चिह्नीकरण के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया।

पैतृक कृषि भूमि के बंटवारे से किसानों को मिली राहत

-राज्य सरकार का जताया आभार

बाड़मेर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार की ओर से संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा आमजन की समस्याओं के समाधान में मील का पत्थर साबित हुआ। ग्राम पंचायत पोशाल में बुधवार को आयोजित शिविर में पैतृक कृषि भूमि के बंटवारे को लेकर प्रस्तुत प्रार्थना को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। ग्राम पंचायत पोशाल में आयोजित शिविर में जुंझाराम पुत्र पुरखाराम, ठाकाराम पुत्र उमाराम, बांकाराम दत्तक पुत्र गोरधनाराम, ईशराराम पुत्र मेहाराम, रेखराम पुत्र मेहाराम, दलु पत्नी मेहाराम, जगरूपराम पुत्र पूर्णाराम, रामलाल पुत्र पूर्णाराम, रूपाराम पुत्र पूर्णाराम ने अपनी पैतृक भूमि 255.14 बीघा के बंटवारे के लिए सहमति के साथ आवेदन प्रस्तुत किया गया। शिविर प्रभारी एवं उप तहसीलदार हमीराराम बालाच तथा बीजराड़ पटवारी ने मौके पर दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी कर भूमि के बंटवारे की कार्रवाई प्रारंभ की। तत्पश्चात तैयार बंटवारा खाका प्रस्तुत किया गया, जिसे सभी खातेदारों ने सहर्ष स्वीकार किया। इस पहल के लिए किसानों ने राजस्थान सरकार एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए प्रशासनिक अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

भारतीय वायुसेना में अग्निवीर भर्ती के लिए 31 जुलाई तक होंगे ऑनलाइन पंजीकरण

जालोर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय वायुसेना मे अग्निपथ स्कीम के अन्तर्गत अग्निवीर वायु भर्ती 02/2026 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 11 जुलाई 2025 से प्रारंभ होंगे। इच्छुक पात्र अभ्यर्थी 31 जुलाई तक वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण प्राप्त कर सकते हैं। वायु सेना जोधपुर के 5 एएससी, एएफ सीओ विंग कमाण्डर अभिषेक कटोच ने जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक अविवाहित पुरूष एवं महिला उम्मीदवार भर्ती से सम्बधित सभी नियमों की विस्तृत जानकारी भारतीय वायुसेना की आधिकारिक वेबसाईट से प्राप्त कर सकते है। उम्मीद्वार अग्निवीर की भर्ती के लिए 11 जुलाई 2025 से 31 जुलाई, 2025 तक https://agnipathvayu.cdac.in पर लॉग इन कर ऑनलाईन पंजीकरण कर सकते है। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के लिए 2 जुलाई 2005 से 2 जनवरी 2009 (दोनों दिनांक सहित) के बीच जन्मे अविवाहित पुरूष एवं महिला उम्मीद्वार इस भर्ती के लिए पात्र होगें। 12वीं कक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा विज्ञान संकाय में गणित और भौतिक विषय के साथ एवं कला तथा वाणिज्य संकाय मे किसी भी विषय के साथ 50 फीसदी अंको के साथ अग्रेंजी विषय में भी 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है या 3 वर्षीय इन्जीनियरिंग डिप्लोमाधारक या 2 वर्षीय वोकेशनल कोर्स पास उम्मीदवार आवेदन के पात्र होंगे।

बाल संरक्षण मुद्दों व बालिका सशक्तिकरण पर बाल संरक्षण समिति सदस्यों

-हितधारकों व फ्रंटलाइन कार्यकर्ता की आमुखीकरण कार्यशाला संपन्न

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अक्षय गोदारा द्वारा अनुमोदित बाल संरक्षण, बाल अधिकारों की सुरक्षा, बालिका शिक्षा प्रोत्साहन और सशक्तिकरण हेतु वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से दो दिवसीय उपखंड स्तरीय परामर्श बैठक का आयोजन पंचायत समिति सभागार नैनवां में प्रधान पदम नागर की अध्यक्षता में जिला प्रशासन, बाल अधिकारिता, महिला अधिकारिता बूंदी व एक्शन एड-यूनिसेफ़ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्रधान पदम नागर ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को "बाल श्रम मुक्त बूंदी" और "यस टू स्कूल अभियान" को सफल बनाने तथा ड्रॉपआउट, वंचित एवं घुमंतू बच्चों की पहचान कर उन्हें मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने, सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम के लिए मिलजुल कर प्रयास करने पर जोर देते हुए बाल श्रम, बाल विवाह, बालिका शिक्षा जैसे मुद्दों पर ग्राम सभाओं में चर्चा करने के निर्देश देते हुए ग्राम स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित करने का सुझाव दिया। विकास अधिकारी नरेन्द्र सिंह झाला ने सभी सहभागियों को बाल संरक्षण मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए बाल श्रम, बाल विवाह, बाल तस्करी, कन्या भ्रूण हत्या, भिक्षावृत्ति की रोकथाम करने के लिए आमजन को जागरूक करने हेतु प्रेरित

किया। बाल संरक्षण अधिकारी गोविंद कुमार गौतम ने जेजे एक्ट के प्रावधानों, बाल संरक्षण समितियों के कार्यों एवं विभागीय योजनाओं के बारे में बताते हुए बाल श्रम, भिक्षावृत्ति से बच्चों का रेस्क्यू, पुनर्वास एवं शिक्षा से जुड़ाव को अभियान की सफलता की कुंजी बताया। कार्यशाला में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश बुनकर ने बाल संरक्षण को लेकर किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डालते हुए शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने हेतु प्रवेशोत्सव के माध्यम से विशेष प्रयास करने और घुमंतू और वंचित समुदाय के बच्चों की पहचान और शिक्षा में समावेशन पर बल दिया। एक्शन एड-यूनिसेफ जिला समन्वयक ज़हीर आलम ने बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए जिला प्रशासन के सहयोग से किये जा रहे कार्यों व जिलें में चलाये जा रहे अभियानों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सामाजिक व्यवहार परिवर्तन, रिपोर्टिंग महत्व पर चर्चा करते हुए हितधारकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। बाल अधिकारिता से दीपिका वशिष्ठ ने बाल संरक्षण मुद्दों की शिकायत चाइल्ड लाइन हेल्पलाइन नंबर 1098 नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 पर देने एवं बच्चों को नशे व अन्य आपराधिक गतिविधियों से दूर कराकर उनका भविष्य निर्माण करने में सहयोग करने का आह्वान किया। महिला अधिकारिता विभाग से कानूनी सलाहकार एड.अनस सिद्दीक़ी ने महिला श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा कार्य स्थलों को उत्पीड़न मुक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू किये गये पॉश अधिनियम जागरूकता अभियान के बारे मे जानकारी दी। अतिरिक्त विकास अधिकारी पारस कुमार जैन व बाबू खान ने भी बाल संरक्षण व बालिका सशक्तिकरण को महत्वपूर्ण बताते हुए अपने विचार प्रस्तुत किये।

पीएम जनमन योजना के तहत सनवाड़ा की सहरिया बस्ती में वर्षों बाद पहुंची बिजली

-दुर्गम पहाड़ी अंचल में 20 दिन में हुआ विद्युतीकरण

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा अनुसार ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित करने के लिए आयोजित की जा रही रात्रि चौपालों ने जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की मिसाल कायम की है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक पहल जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर के नेतृत्व में तब देखने को मिली, जब उन्होंने दिनांक 23 मई 2025 को शाहाबाद ब्लॉक के दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे गांव सनवाड़ा में रात्रि चौपाल आयोजित कर जनसुनवाई की।

वर्षों से बिजली के इंतजार में थे 40 सहरिया परिवार

जनसुनवाई के दौरान सनवाड़ा के पूर्व सरपंच बद्रीलाल सहरिया ने जिला कलक्टर को अवगत कराया कि सनवाड़ा गांव से लगभग 3 किलोमीटर दूर पहाड़ियों और जंगलों के बीच बसे सहरिया समुदाय (सहराना) के 40 परिवारों को आज तक बिजली कनेक्शन नहीं मिला है। बस्ती में रहने वाले 200 से अधिक लोग वर्षों से अंधेरे में जीवन यापन कर रहे हैं। यह सुनते ही जिला कलक्टर ने त्वरित निर्णय लेते हुए रात्रि 11 बजे स्वयं मौके पर जाकर स्थिति का निरीक्षण किया। बस्ती की दुर्गम और वन क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद जिला कलक्टर तोमर की जनसेवा के प्रति समर्पण भाव

ने उन्हें वहां तक पहुंचने से नहीं रोका। उन्होंने मौके पर अधीक्षण अभियंता एन.एम. बिलोटिया को तुरंत सर्वे कर 15 दिन में विद्तीकरण का कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रशासनिक इच्छाशक्ति ने बदली तस्वीर

जिला कलक्टर तोमर ने बताया कि इस तरह की सहरिया बस्तियां, जिन्हें स्थानीय रूप से 'सहराना' कहा जाता है, सामान्य गांवों से काफी दूर जंगलों में होती हैं। रास्ते भी बेहद कठिन और नदी-नालों से होकर जाते हैं। अब तक यहां कोई विद्त लाइन नहीं पहुंची थी। लेकिन सरकार की पीएम जनमन योजना के अंतर्गत अब ऐसे क्षेत्रों को प्राथमिकता में लेते हुए विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

20 दिन में 40 परिवारों को मिला निशुल्क बिजली कनेक्शन

अधीक्षण अभियंता एन.एम. बिलोटिया ने जिला कलक्टर के निर्देशों पर अन्य विभागों के समन्वय से केवल 20 दिन में संपूर्ण विद्तीकरण का कार्य पूर्ण कर दिया। बिलोटिया ने बताया कि लगभग 2 किलोमीटर लंबी 11 केवी लाइन, 1 किलोमीटर एलटी लाइन, 2 सिंगल फेज, 25 केवी ट्रांसफार्मर और कुल 38 नए विद्त पोल लगाए गए। यह संपूर्ण कार्य पथरीली और पहाड़ी भूमि में किया गया, जहां ड्रिलिंग की सहायता से खंभों की स्थापना और ट्रांसफार्मर लगाए गए। यह कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन जिला कलक्टर की प्राथमिकता स्पष्ट थी 'अंधेरे को हर हाल में मिटाना'

आवास योजना से भी जुड़ रहे सहरिया परिवार

केवल बिजली ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत इन सहरिया परिवारों को पक्के मकान भी स्वीकृत किए गए हैं। अब ये परिवार, जो वर्षों तक झोपड़ियों और कच्चे घरों में जीवन यापन कर रहे थे, अब पक्की छत और रौशनी की सुविधा से युक्त सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 5.0 पर हुई समीक्षा बैठक

-चित्तौड़गढ़ जिले की रैंक 9वीं, विभागों को दिए निर्देश

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। सतत विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goals – SDG) 2030 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन को लेकर मंगलवार को जिला परिषद् चित्तौड़गढ़ के ग्रामीण विकास सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रभा गौतम ने की। इस अवसर पर SDG रिपोर्ट 5.0 में जिले की प्रदर्शन रिपोर्ट पर गहन चर्चा की गई। रिपोर्ट के अनुसार चित्तौड़गढ़ जिले ने इस वर्ष राज्य स्तरीय रैंकिंग में 9वां स्थान प्राप्त किया है, जो जिला प्रशासन एवं विभागों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। एडीएम प्रभा गौतम ने लैंगिक समानता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तथा शांति, न्याय और सुदृढ़ संस्थान जैसे प्रमुख लक्ष्यों में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन को गंभीरता से लेते हुए पुलिस एवं शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। महिलाओं और बच्चों के प्रति अपराधों में कमी लाने के लिए पुलिस विभाग को सशक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग को स्कूलों में नामांकन बढ़ाने और ड्रॉपआउट दर कम करने के लिए ठोस रणनीति अपनाने को कहा गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद विनय पाठक ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों एवं परिवादों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, शबनम खोरवाल ने सभी उपस्थित अधिकारियों को SDG के लक्ष्यों और महत्त्व के बारे में जानकारी दी। सहायक सांख्यिकी अधिकारी ललित कुमार मीणा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से SDG के 17 वैश्विक लक्ष्यों और 95 सूचकांकों पर आधारित रिपोर्ट का विश्लेषण प्रस्तुत किया तथा जिले की उपलब्धि को रेखांकित किया। उन्होंने सभी विभागों के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

"मासूम" अभियान के अंतर्गत संयुक्त टीम ने की त्वरित कार्रवाई

-होटल से नाबालिग बालश्रमिक रेस्क्यू कर मुक्त कराया गया

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिले में बालश्रम के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान "मासूम" के तहत निम्बाहेड़ा थाना क्षेत्र में एक होटल से एक नाबालिग बालक को बालश्रम से मुक्त कराया गया। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशन में 8 जुलाई से 14 जुलाई 2025 तक यह अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बालश्रम से मुक्ति और बच्चों का पुनर्वास सुनिश्चित करना है। अभियान के दौरान पुलिस विभाग, बाल अधिकारिता विभाग, चाइल्ड हेल्पलाइन, गायत्री सेवा संस्थान और जन साहस की संयुक्त टीम द्वारा मागरोल चौराहे पर स्थित एक होटल में दबिश दी गई। वहां एक नाबालिग बालक को भट्टी पर चाय बनाने जैसे खतरनाक कार्य में लगाया गया था, जिसे सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक 12 घंटे तक काम करवाया जा रहा था। चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक नवीन काकड़दा ने बताया कि रेस्क्यू के समय बालक की काउंसलिंग की गई, जिसमें उसने अपनी कठिन परिस्थितियों और काम की मजबूरी के बारे में बताया। तत्काल प्रभाव से बालक को बाल कल्याण समिति,

चित्तौड़गढ़ के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के आदेशानुसार उसे राजकीय किशोर गृह, चित्तौड़गढ़ में अस्थायी आश्रय प्रदान किया गया है। रेस्क्यू टीम में पुलिस थाना निम्बाहेड़ा से एएसआई भूपेन्द्र सिंह, प्रभु लाल, चाइल्ड हेल्पलाइन से काउंसलर करण जिनवाल, सुपरवाइजर राहुल सिंह सोलंकी, केस वर्कर ईरफान खान, शिक्षा विभाग से लोकेश सोनी, एक्शन एड यूनिसेफ से कपिल देव प्रसाद,गायत्री सेवा संस्थान से अब्दुल वाहिद, जन साहस से संदीप आदि शामिल रहे। पुलिस थाना निम्बाहेड़ा द्वारा होटल संचालक के विरुद्ध किशोर न्याय अधिनियम, 2015 एवं बालश्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। उल्लेखनीय है कि जुलाई माह में "ऑपरेशन उमंग" के तहत अब तक 12 नाबालिग बालश्रमिकों को मुक्त कराया गया है, जिनका शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों में नामांकन करवाने की प्रक्रिया जारी है। चाइल्ड हेल्पलाइन की ओर से आमजन से अपील की गई है कि वे किसी भी नाबालिग से श्रम कार्य न करवाएं। यह कानूनी अपराध है और इससे बच्चों का बचपन और शिक्षा दोनों प्रभावित होते हैं। यदि किसी को बच्चों के शोषण या बालश्रम की जानकारी मिले तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचित करें।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा

-आयोजित शिविरों में हुए वर्षों से अटके काम

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सम्पूर्ण प्रदेश में चल रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा अंतर्गत आयोजित शिविर आमजन के लिए सौगात लेकर आए हैं। इन शिविरों में आमजन के वर्षों पुराने काम मौके पर ही हो रहे हैं।

राजस्व से जुड़े कार्यों में आमजन को मिली राहत

चूरू जिले में आयोजित इन शिविरों में राजस्व से जुड़े कार्य मौके पर ही निस्तारित किए गए। चूरू जिले में सीमाज्ञान के कुल 1466 आवेदनों में से 1454, पत्थरगढ़ी के कुल 195 आवेदनों में से 192, कुर्रेजात के कुल 283 आवेदनों में से 267, नामांतरण के 4030 लंबित आवेदनों में से 3304 आवेदन निस्तारित किए गए। इसी के साथ रास्ते के कुल 1141 प्रकरणों में से 1126 प्रकरण निस्तारण, आपसी सहमति से विभाजन के 1399 आवेदनों में से 1396 आवेदनों का निस्तारण, बजट घोषणा में भूमि आवंटन के 07 आवेदनों में से 06 का निस्तारण, 12 अपर्युक्त विभागीय/ भूमि में से 06 का आवंटन किया गया।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी तथा जल संसाधन विभाग

चूरू जिले में अभियान के दौरान नल कनेक्शन के लंबित 221 आवेदनों में से 218 नल कनेक्शन, बिजली के लंबित 17 कनेक्शन में से 14 कनेक्शन, ग्रीष्मकालीन आकस्मिक कार्यों में स्वीकृत 98 कार्यों में से 97 कार्य सत्यापित किए गए। इसी के साथ पानी टंकी आदि कुल 248 जलाशयों की साफ- सफाई व 1481 लीकेज ठीक किए गए। जल दबाव की जांच कर 1044 समस्या वाले स्थानों में 1038 स्थानों का समाधान और तोड़ी गई कुल 5026 मीटर लंबाई सड़कों में से 2724 मीटर सड़कों की मरम्मत की गई। इसी क्रम में जल संसाधन विभाग द्वारा नहरी क्षेत्र में बाराबंदी से संबंधित सुनवाई के 03 प्रकरण, नहरों के पटरों की कुल 1115 मीटर लंबाई की सफाई व मरम्मत, 846 मीटर लंबाई में नहरों से गाद निकालने व झाड़ हटाने के कार्य, 05 गेटों की सफाई व ग्रीस लगाने के कार्य करवाए गए हैं।

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग

ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 1000 चयनित बीपीएल परिवारों के बैंक खातों का सत्यापन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना में चयनित गांवों के कुल 2466 परिवारों का सर्वे किया गया। इसी के साथ 144 परिवारों को स्वयं सहायता से समूह से जोड़ा गया। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण हेतु 172 आवेदन, पीएम आवास योजना ग्रामीण हेतु 120 आवेदन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन हेतु 135 आवेदन, आवासीय भूमि के पट्टे हेतु 149 आवेदन, गैस कनेक्शन हेतु 24 आवेदन, बिजली कनेक्शन हेतु 25 आवेदन, पानी नल कनेक्शन हेतु 20 आवेदन, आयुष्मान आरोग्य योजना हेतु 37 आवेदन, खाद्य सुरक्षा योजना हेतु 273 आवेदन प्राप्त किए गए।

वित्तीय समावेशन योजनाओं के संबंधित अभियान के शिविर होंगे आयोजित

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। जिले में वित्तीय समावेशन से संबंधित योजनाओं से संबंधित अभियान आगामी 30 सितम्बर तक संचालित होंगे। इसमें ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर जन-धन खातों, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से लाभांवित किया जाएगा। अग्रणी जिला प्रबंधक संजय कुमार सिंह ने बताया कि शिविरों में प्रधानमंत्री जन-धन योजना के पुराने खातों की केवाईसी करने के साथ ही नए जन-धन खाते हाल ही में व्यस्क हुए व्यक्तियों के खोले जाएंगे। शुक्रवार, 11 जुलाई को पीसांगन की भगवानपुरा, श्रीनगर की देरांठू, भिनाय की बडली एवं नागोला ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित होंगे। इसी प्रकार सोमवार, 14 जुलाई को अजमेर ग्रामीण की बडलिया, अजमेर ग्रामीण की गेगल, केकड़ी की भराई एवं केकड़ी की नीमोद में शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार 15 जुलाई को अजमेर ग्रामीण की खोरी, अरांई की भामोलाव, सावर की सराना एवं भाटोलाव, 16 जुलाई को किशनगढ़ की कोटड़ी एवं थल, सावर की बाजटा एवं पीपलाज, 17 जुलाई को पीसांगन की दांतड़ा में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पेरेंट्स बनने वाले हैं राजकुमार-पत्रलेखा

सोशल मीडिया पर दी जानकारी, सेलेब्स ने दी बधाई

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव और पत्रलेखा ने सोशल मीडिया पर माता-पिता बनने की खुशखबरी शेयर की है। उनकी इस गुड न्यूज को शेयर करने के बाद कई सेलेब्स और फैंस उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

राजकुमार और पत्रलेखा का पोस्ट

राजकुमार राव और पत्रलेखा अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने पालने के साथ एक खूबसूरत पेस्टल रंग की तस्वीर इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की, जिसमें लिखा है बेबी ऑन द वे। राजकुमार ने कैप्शन के साथ अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, उत्साहित और साथ ही लाल दिल वाले इमोजी बनाए।

दोनों का रिश्ता और शादी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राजकुमार और पत्रलेखा की प्रेम कहानी बहुत खास है। उनकी मुलाकात एक दशक पहले हुई थी। 2014 में फिल्म सिटीलाइट्स में साथ काम करने के बाद उनका प्यार और गहरा हो गया। राजकुमार को पहली नजर में ही पत्रलेखा से प्यार हो गया था। 2021 में राजकुमार ने पत्रलेखा को प्रपोज किया था। 15 नवंबर को चंडीगढ़ में दोनों ने सादगी भरी शादी की। पत्रलेखा ने बंगाली कविता वाली लाल साड़ी पहनी, और राजकुमार हाथी दांत रंग के कपड़ों में जंच रहे थे। राजकुमार ने एक इंटरव्यू में कथित तौर पर बताया कि पत्रलेखा ने उन्हें मुंबई में कभी अकेलापन महसूस नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, मैं खुशकिस्मत हूं, कि मुझे 2010 में पत्रलेखा मिलीं। 15 साल में, 11 साल डेटिंग और 3 साल शादी के बाद, वे मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं।

गेमरलॉग की सफलता के बीच कुणाल भान ने बहरीन में परिवार संग मनाया जन्मदिन

इस साल अभिनेता कुणाल भान का जन्मदिन काफी खास बन गया है। उनकी नई वेब सीरीज गेमरलॉग को मिल रही कामयाबी के बीच उन्होंने अपना यह खास दिन अपनों के साथ मनाया। कुणाल इन दिनों अपने परिवार के साथ बहरीन में हैं। इस बारे में वे कहते हैं, मैंने इस साल अपना जन्मदिन परिवार के साथ बहरीन में मनाया। मेरे माता-पिता यहीं रहते हैं। तो जब भी उनके पास आता हूँ, मेरे लिए हर दिन बहुत खास होता है। मुंबई में काम के चलते वक्त निकालना मुश्किल हो जाता है, लेकिन परिवार के साथ बिताए जाने वाले पलों को मैं हमेशा प्राथमिकता देता हूँ। मेरा परिवार मुझे जमीन से जोड़े रखता है और चाहे काम की वजह से मैं कितना भी व्यस्त क्यों न रहूँ, उनके साथ बिताया समय मुझे मानसिक और भावनात्मक तौर पर फिर से तरोताजा कर देता है। कुणाल मानते हैं कि गेमरलॉग के लिए मिल रही तारीफ ने उनके जन्मदिन को और भी खास बना दिया है।

90 के दशक की दीवानी कृति सेनन, प्लेलिस्ट के लिए फैंस से मांगे गानों के सुझाव

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर अपनी बचपन की यादें ताजा कीं। उन्होंने 90 के दशक के गानों के साथ अपनी पुरानी यादों को जिया और एक वीडियो शेयर किया। कृति सेनन ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह 90 के दशक के गानों पर नाचती हुई नजर आ रही हैं। मोनोक्रोम वीडियो पर एक्ट्रेस ने लिखा, हमेशा के लिए 90 के दशक की बच्ची। वीडियो में कृति मेकअप करती दिख रही हैं और साथ ही अलिशा चिनॉय के हिट सॉन्ग मेड इन इंडिया के गानों पर थिरकती भी नजर आ रही हैं। इसके बाद वीडियो में एक्ट्रेस ए बैंड ऑफ बॉयज का गाना मेरी नींद गुनगुनाती हैं। उसके बाद एल्बम रॉकी हैंडसम के मस्तीभरे गाने तेरी तो, तेरी ता, हमेशा याद सतावे पर डांस करती हैं। कृति ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, पार्ट 3 के लिए और 90 के गाने बताओज प्लेलिस्ट अपडेट करनी है। इस पर सिंगर सोफी चौधरी ने कमेंट किया, मुझे उम्मीद है कि तुम जानती हो कि मैंने मेड इन इंडिया गाने में बैकिंग वोकल्स गाए थे, जब मैं बच्ची थी। वही मेरा डेब्यू था। इस वीडियो पर यूजर्स जमकर कमेंट कर रहे हैं और गानों का सुझाव दे रहे हैं। एक यूजर ने सुझाव देते हुए गाने का नाम कमेंट में लिखा- चुनरी-चुनरी।

मधुर भंडारकर की मल्टी-स्टारर फिल्म द वाइव्स में मौनी रॉय की एंट्री हुई कन्फर्म

मौनी रॉय अपनी उपलब्धियों के साथ वैश्विक स्तर पर प्रगति कर रही हैं, जिसने उन्हें एक बहुमुखी प्रतिभा के रूप में स्थापित किया है, जिसे नज़रअंदाज़ करना असंभव है। हाल ही में मौनी ने सोशल मीडिया पर मेकअप रूम से एक खूबसूरत तस्वीर साझा की, जिसके बाद फैंस कयास लगाने लगे कि उनका अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। अब उन्होंने खुद पुष्टि कर दी है कि उनकी अगली फिल्म मधुर भंडारकर की आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' है। इस फिल्म में मौनी रॉय के साथ सोनाली कुलकर्णी, रेजिना कैसंड्रा, अर्जन बाजवा, सौरभ सचदेवा, राहुल भट्ट और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार नजर आएंगे। अपनी कास्टिंग की पुष्टि करते हुए, मौनी ने भी फिल्म निर्माता और क्लैपबोर्ड के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, इस नई फिल्म का पहला दिन, जिसके लिए मैं बेहद उत्साहित हूं। इस मास्टर फिल्ममेकर मधुर भंडारकर के साथ काम करने का अवसर पाकर आभारी हूं। 'द वाइव्स' में मधुर भंडारकर एक बार फिर अपने अनोखे और निर्भीक फिल्म निर्माण के अंदाज़ में जटिल और संवेदनशील विषय को छूने जा रहे हैं। इस बार, बॉलीवुड की पत्नियों की असल ज़िंदगी पर ध्यान केंद्रित किया गया है, और यह दिखाया गया है कि जब वे चकाचौंध, पैपराज़ी, रेड कार्पेट और हाई-प्रोफाइल पार्टियों से दूर होती हैं, तो क्या होता है।

मुनव्वर फारुकी के शो में शामिल हुईं खुशी मुखर्जी, बोलीं-

मुझे गर्व महसूस हो रहा है

एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी ने कमीडियन मुनव्वर फारुकी द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो द सोसाइटी में शामिल होने के अनुभव को साझा किया। इस शो में शामिल होने की उत्सुकता जताते हुए खुशी ने कहा, शो में जाना मेरे लिए एक खास एहसास है। इस शो का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है और सच में इंतजार नहीं कर सकती कि लोग मुझे एक नए अंदाज में देखें। पिछले कुछ महीनों में, मैंने लोकप्रियता के अच्छे और बुरे दोनों पहलू देखे हैं। कुछ लोग मेरे लिए मजबूत सहारा बने, लेकिन बहुत सारे लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने मुझे नीचे गिराने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, मैं इन बातों की परवाह किए बिना अपने काम और खुद पर ध्यान दे रही हूं ताकि अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकूं। मुझे शो के बारे में ज्यादा कुछ बताने की इजाजत नहीं है, लेकिन हां, मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि यह एक ऐसा शो होगा, जो भारत जैसे देश के लिए बिल्कुल नया होगा। मैं वाकई बहुत उत्साहित हूं और दर्शकों से प्यार और सपोर्ट मिलने की उम्मीद कर रही हूं। बता दें कि मुनव्वर फारूकी जियोहॉटस्टार के शो द सोसाइटी को होस्ट करेंगे। इस शो को कब और कैसे देखा जा सकेगा, इसकी जानकारी अभी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है। 7 जुलाई को जियोहॉटस्टार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर इस शो का टीजर शेयर किया था, जिसमें कुछ लोग रेड कलर की आउटफिट में कैमरे की तरफ बढ़ते दिखाई दे रहे थे। जब वे पास से गुजरे, तो कैमरा मुनव्वर फारूकी पर जूम किया गया, जो टक्सीडो पहने चार लोगों के सामने खड़े थे और उनके चेहरे काले मास्क से ढके हुए थे।

आलिया ही नहीं, उर्वशी के साथ भी वेदिका शेट्टी ने की धोखाधड़ी, एक्ट्रेस की मां ने किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला की मां मीरा रौतेला ने आलिया भट्ट की पूर्व असिस्टेंट वेदिका शेट्टी के बारे में चौंकाने वाले कई खुलासे किए। वेदिका शेट्टी को 77 लाख रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में जुहू पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वेदिका पहले उर्वशी की पर्सनल असिस्टेंट थीं। चौंकाने वाले खुलासे में मीरा ने बताया कि कैसे वेदिका कथित तौर पर रौतेला परिवार से लाखों रुपए की चोरी में शामिल थी। उन्होंने कुछ समय पहले पुलिस को इस घटना की सूचना दी थी। अब उन्होंने इस पूरे दुखद अनुभव के बारे में खुलकर बात की है। मीरा रौतेला ने कहा, वेदिका शेट्टी 2015 से 2017 तक मेरी बेटी उर्वशी की पूरी तरह से 24 घंटे काम करने वाली असिस्टेंट थीं। लास वेगास में मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता से लौटने के बाद उन्हें उर्वशी की मदद के लिए रखा गया था। 2016 में मिस यूनिवर्स इंडिया का ताज सौंपे जाने के दौरान वह उर्वशी के साथ थीं। इस दौरान वेदिका को उर्वशी के कपड़े, भारी गाउन और निजी सामान संभालने की जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन, थोड़े ही समय बाद हमें पता चला कि वेदिका ने कई बार चोरी और धोखाधड़ी की है, जिससे हमारे परिवार को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ। उर्वशी की मां ने बताया, 2016 में मिस यूनिवर्स इंडिया का क्राउन सौंपने के इवेंट में शामिल होने के लिए मेरी मां नैनीताल से मुंबई हमारे घर आई थीं। जब वह हमारे घर में थीं, तब वेदिका शेट्टी का उर्वशी की असिस्टेंट के रूप में हमारे घर में आना-जाना था।

तन्वी द ग्रेट देखकर इमोशनल हुए अक्षय कुमार, बोले- फिल्म ने रुला दिया

एक्टर-डायरेक्टर अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' थिएटर में रिलीज को तैयार है। अक्षय कुमार ने बुधवार को फिल्म देखी और अपने अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। फिल्म देखने के बाद इमोशनल हुए एक्टर ने कहा कि कहानी शानदार है और इसने रुलाकर रख दिया। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर लिखा कि यह फिल्म उनके दिल को छू गई। उन्होंने फिल्म को भावनात्मक और प्रेरणादायक बताया। फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए अक्षय ने अनुपम और उनकी टीम की तारीफ की। एक्टर ने कैप्शन में लिखा, तन्वी देखने में थोड़ी देर हुई, लेकिन खुशी है कि मैंने यह फिल्म देखी। तन्वी द ग्रेट एक ऐसी कहानी है, जिसने मुझे भावुक कर दिया और मैं तन्वी के लिए दिल से प्रार्थना करता हूं। मेरे दोस्त अनुपम खेर और पूरी टीम को ढेर सारी शुभकामनाएं। बड़े पर्दे पर इसे देखने का इंतजार है।

वॉर 2 में ऋतिक संग काम करना अविस्मरणीय रहा: कियारा आडवाणी

अभिनेत्री कियारा आडवाणी वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने ग्रीक गॉड के साथ काम करने के अनुभव को अविस्मरणीय बताया। कियारा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने का अनुभव शानदार और कभी न भूल पाने वाला रहा। अपनी अगली फिल्म के लिए उत्साह जताते हुए कियारा ने कहा, आदि सर और अयान के साथ ही पूरी शानदार टीम के साथ काम करने का अनुभव भी काफी उत्साह भरा रहा, हम वॉर 2 के एक्शन और रोमांच को दुनिया के सामने पेश करने के लिए उत्साहित हैं और बेसब्री से इंतजार है। इसी के साथ ही मंगलवार को ऋतिक ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के साथ मोस्ट अवेटेड सीक्वल की शूटिंग पूरी होने की घोषणा की थी। कियारा की तारीफ करते हुए ऋतिक ने लिखा, कियारा आडवाणी, मैं दुनिया को आपका विलेन का रोल दिखाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। आपके साथ स्क्रीन साझा करना शानदार रहा है। फिल्म में कियारा और ऋतिक की मुख्य ऑन-स्क्रीन जोड़ी है। सुपर 30 अभिनेता ने अपने नोट में लिखा, कैमरा बंद होने पर ह्वार2 के लिए मिली-जुली भावनाएं, 149 दिनों की अथक दौड़-भाग, एक्शन, डांस, खून-पसीना, चोटें... और यह सब इसके काबिल था! उन्होंने लिखा था, एनटीआर सर, आपके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं अयान की सिनेमैटिक फिल्म को देखने का इंतजार नहीं कर सकता!! वॉर 2 की पूरी कास्ट और क्रू को, अपनी प्रतिभा साझा करने और हर एक दिन अपना सब कुछ देने के लिए धन्यवाद।

मैं मराठी, हिंदी और अंग्रेजी में खुश, समझ नहीं आती जेन-जेड की भाषा: काजोल

एक्ट्रेस काजोल ने कहा कि वह जेन-जेड की अनोखी भाषा को समझने की कोशिश नहीं करतीं। उन्हें अपनी अंग्रेजी, हिंदी और मराठी पर भरोसा है और वह उसी में खुश हैं। काजोल 22 साल की बेटी नीसा और 15 साल के बेटे युग की मां हैं। बातचीत में काजोल ने कहा, मैं जेन-जेड की भाषा समझने की कोशिश ही नहीं करती। मैं अच्छी अंग्रेजी, हिंदी और मराठी बोलने से संतुष्ट हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें जेन-जेड की भाषा उलझन भरी लगती है, तो काजोल ने जवाब दिया, मैं मदद मांग लेती हूं।

अगर मुझे कुछ समझ नहीं आता, तो मैं साफ कहती हूं कि इसे सरल भाषा में बताओ। काजोल ने साल 1994 में फिल्म 'गुंडाराज' की शूटिंग के दौरान एक्टर अजय देवगन के साथ डेटिंग शुरू की थी। साल 1999 में दोनों ने महाराष्ट्रीयन रीति-रिवाज से शादी की। साल 2003 में उनकी बेटी नीसा और साल 2010 में बेटे युग का जन्म हुआ।

काजोल हाल ही में 27 जून को रिलीज हुई माइथोलॉजिकल-हॉरर फिल्म 'मां' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ एक्टर रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2024 की फिल्म 'शैतान' के यूनिवर्स पर आधारित है। कहानी एक मां और बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पति के होमटाउन चंद्रपुर जाने पर एक श्राप का सामना करते हैं। फिल्म में काजोल ने एक ऐसे मां किरदार निभाया, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। काजोल के अपकमिंग प्रोजेक्ट पर नजर डालें तो उनके पास 'सरजमीन' है, जिसका निर्देशन कायोज ईरानी ने किया है। यह फिल्म 25 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी, जिसमें इब्राहिम अली खान और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं।

इसके अलावा, वह एक्शन थ्रिलर 'महारागनी- क्वीन ऑफ क्वीन्स' में दिखेंगी, जिसका निर्देशन चरण तेज उप्पलपति ने किया है। इस फिल्म में काजोल के साथ प्रभु देवा, नसीरुद्दीन शाह, जिशु सेनगुप्ता, आदित्य सील, प्रमोद पाठक और छाया कदम भी हैं।

जोकोविच ने रचा इतिहास, सेमीफाइनल में जगह बनाने के साथ फेडरर का रिकॉर्ड किया ध्वस्त

एजेंसी ▶▶| लंदन

नोवाक जोकोविच ने विंबलडन 2025 में इतिहास रच दिया है। उन्होंने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के साथ ही रोजर फेडरर के एक बड़े रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। इटली के फ्लेवियो कोबोली को चार सेटों के कड़े मुकाबले में 6-7 (6/8), 6-2, 7-5, 6-4 से हराकर, जोकोविच ने 14वीं बार विंबलडन के पुरुष एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले वे फेडरर के 13 सेमीफाइनल के रिकॉर्ड की बराबरी पर थे।

इसके साथ ही, यह जोकोविच का 52वां ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल है, जो पुरुष टेनिस में उनका अपना ही रिकॉर्ड है। यह उन्हें ओपन एरा में सबसे अधिक ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए क्रिस एवर्ट के रिकॉर्ड की बराबरी पर भी लाता है। 38 वर्षीय सर्बियाई स्टार अब अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में हैं और सेमीफाइनल में उनका मुकाबला दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जानिक सिनर से होगा।

विंबलडन के मेंस सेमीफाइनल में सबसे ज्यादा बार पहुंचने वाले खिलाड़ी

1 नोवाक जोकोविच ने सबसे ज्यादा 14 बार (2007, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2018, 2019, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025) विंबलडन के सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

2 रोजर फेडरर ने 13 बार (2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2012, 2014, 2015, 2016, 2017, 2019) सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

3 जिमी कॉनर्स तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने (1974, 1975, 1977, 1978, 1979, 1980, 1981, 1982, 1984, 1985, 1987) 11 बार सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

सबालेंका को हराकर अनिसिमोवा फाइनल में, स्वियातेक से होगी भिड़ंत

लंदन। तेरहवीं वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा ने बृहस्पतिवार को यहां विम्बलडन में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज आर्यना सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराकर उलटफेर करते हुए अपने करियर में पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में प्रवेश किया। अनिसिमोवा ने बर्नआउट के कारण एक साल पहले टेनिस से ब्रेक लिया था। न्यू जर्सी में जन्मी और फ्लोरिडा में पली-बढ़ी अनिसिमोवा 17 साल की उम्र में 2019 फ्रेंच ओपन में सेमीफाइनल में हार गई थीं। मई 2023 में उन्होंने यह कहते हुए टूर से ब्रेक ले लिया कि वह लगभग एक साल से मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रही हैं। चौथे मैच प्वाइंट पर फोरहैंड विनर के साथ दो घंटे 36 मिनट के मुकाबले को समाप्त करने के बाद अनिसिमोवा ने कहा, ''यह अभी वास्तविक नहीं लग रहा है। मुझे नहीं पता कि मैंने यह जीत कैसे हासिल की।'' अब ट्रॉफी के लिए शनिवार को उनका सामना इगा स्वियातेक से होगा। पांच बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन स्वियातेक ने बेलिंडा बेनसिच को 6-2, 6-0 से हराकर पहली बार ऑल इंग्लैंड क्लब में फाइनल में जगह बनाई। इस तरह लगातार आठवीं बार विम्बलडन को नई महिला चैंपियन मिलेगी। सबालेंका अक्टूबर में स्वियातेक को हटाकर शीर्ष पर पहुंची थी। सबालेंका इस हार से सेरेना विलियम्स के बाद लगातार चार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने से चूक गईं। तेइस साल की अनिसिमोवा का विम्बलडन खत्म होने के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाना तय है, चाहे खिताबी मुकाबले का नतीजा कुछ भी रहे। सबालेंका एक साल पहले कंधे में चोट के कारण विम्बलडन से चूक गई थीं।

खबर संक्षेप

आज से इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

बेंगलुरु। दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल शुक्रवार से कांतीरावा स्टेडियम में शुरू हो रही इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मुख्य आकर्षण होंगे। यह सितंबर में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए अंतिम क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। इस दो दिवसीय चैंपियनशिप में भारत के 262 खिलाड़ी भाग लेंगे, जो नई दिल्ली में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए खिलाड़ियों के पास आखिरी मौका होगा।

नई दिल्ली में होगी 2 निशानेबाजी प्रतियोगिता

म्यूनिख। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने अपनी कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान नई दिल्ली को दो बड़ी प्रतियोगिताओं 2027 में संयुक्त विश्व कप और 2028 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी सौंपी। महत्वपूर्ण 2026-27 सत्र के कैलेंडर की घोषणा करते हुए आईएसएसएफ ने कहा कि इस साल सितंबर-अक्टूबर में जूनियर विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) का आयोजन करने वाला नई दिल्ली अगले साल तीनों वर्ग में प्रतिष्ठित विश्व कप चरण की मेजबानी करेगा, जिसकी तारीखों की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। नई दिल्ली स्थित कर्णी सिंह रेंज ने पिछले साल अक्टूबर में सत्र के अंत में होने वाले एलीट विश्व कप फाइनल की भी मेजबानी की थी।

19 नवंबर से लीजेंड्स लीग क्रिकेट

नई दिल्ली। संन्यास ले चुके क्रिकेटरों की फ्रेंचाइजी आधारित टी20 प्रतियोगिता लीजेंड्स लीग क्रिकेट का चौथा सत्र 19 नवंबर से 13 दिसंबर तक भारत के विभिन्न शहरों में आयोजित किया जाएगा। लीग के चेयरमैन विवेक खुशालानी ने कहा, 'हमें लीजेंड्स लीग क्रिकेट के चौथे सत्र की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। इस साल, हम ज्यादा मैचों, ज्यादा आयोजन स्थलों और दिग्गज खिलाड़ियों के बड़े पूल के साथ इसे अधिक आकर्षक बना रहे हैं।' यह टूर्नामेंट कई शहरों में आयोजित किया जाएगा।

कैंफर पांच गेंद में पांच विकेट लेने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बने

डबलिन। आयरलैंड के ऑलराउंडर कर्टिस कैंफर बृहस्पतिवार को यहां अंतर-प्रांतीय टी20 ट्रॉफी मैच में नॉर्थ वेस्ट वारियर्स पर अपनी टीम मुंस्टर रेड्स की जीत के दौरान पांच गेंद में पांच विकेट लेने वाले पहले पुरुष पेशेवर क्रिकेटर बने। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी कैंफर ने चार गेंद में चार विकेट चटकाए हैं। कैंफर हालांकि पांच गेंद में पांच विकेट चटकाने वाले पहले क्रिकेटर नहीं हैं। यह सम्मान जिम्बाब्वे की महिला ऑलराउंडर केलिस नधलोवु को जाता है जिन्होंने 2024 में एक घरेलू टी20 टूर्नामेंट में ईगल्स महिला टीम के खिलाफ जिम्बाब्वे अंडर-19 के लिए पांच गेंद में पांच विकेट लिए थे।

तीसरा टेस्ट: रेड्डी ने पहले ही ओवर में झटके दो विकेट

रूट शतक की दहलीज पर, इंग्लैंड ने चार विकेट पर बनाए 251 रन

एजेंसी ▶▶| लंदन

जो रूट के नाबाद अर्धशतक से इंग्लैंड ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन बृहस्पतिवार को चार विकेट पर 251 रन बनाए लेकिन भारत ने रन गति पर नियंत्रण बनाए रखकर मुकाबले को अपनी पकड़ से बाहर नहीं जाने दिया। अपने 37वें शतक से सिर्फ एक रन दूर रूट 191 गेंद में नौ चौकों की मदद से 99 रन बनाकर खेल रहे हैं। दूसरे छोर पर कप्तान बेन स्टोक्स (102 गेंद में नाबाद 39) उनका साथ निभा रहे हैं। दोनों पांचवें विकेट के लिए अब तक 79 रन की साझेदारी कर चुके हैं। रूट ने इससे पहले ओली पोप (44) के साथ भी तीसरे विकेट के लिए 109 रन जोड़े। भारतीय गेंदबाजों ने हालांकि दिन के खेल के दौरान रन गति पर नियंत्रण बनाए रखा और अपने अति आक्रामक 'बैजबॉल' रवैये के लिए मशहूर मेजबान टीम 83 ओवर में 3.02 रन प्रति ओवर की गति से ही रन बना सकी। भारत की ओर से नितीश कुमार रेड्डी (46 रन पर दो विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहे जबकि जसप्रीत बुमराह (35 रन पर एक विकेट) और रविंद्र जडेजा (26 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया। शुरुआती विकेट जल्दी गंवाने के बाद रूट और पोप (104 गेंद पर 44 रन) ने पारंपरिक टेस्ट मैच की बल्लेबाजी शैली अपनाई और तीसरे विकेट के लिए 109 रन की साझेदारी की। जडेजा ने तीसरे सत्र की पहली ही गेंद पर पोप को पवेलियन भेजकर रूट के साथ उनकी शतकीय साझेदारी को तोड़ा। पोप ने विकेट के पीछे ध्रुव जुरेल को कैच थमाया जो विकेटकीपर ऋषभ पंत की जगह जिम्मेदारी संभाल रहे थे। भारत को दूसरे सत्र में झटका लगा जब पंत चोटिल हो गए।

चोटिल पंत की जगह जुरेल विकेटकीपिंग के लिए आए

भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन दूसरे सत्र के खेल के दौरान बाएं हाथ में चोट लगने के बाद मैदान से बाहर चले गए। पंत की जगह ध्रुव जुरेल को मैदान पर भेजा गया जबकि वह तीसरे टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में भी शामिल नहीं थे। भारतीय उप कप्तान पंत को मैदान में दिए गए उपचार के बाद कोई फायदा नहीं हुआ, जिसके बाद जुरेल मैदान में उतरे। पारी के 34वें ओवर में जसप्रीत बुमराह की गेंद को लेग साइड में रोकने के लिए डाइव लगाने के बाद पंत दर्द से कराह रहे थे। पंत गेंद पर हाथ लगाने में कामयाब रहे लेकिन इसे पूरी तरह से रोक नहीं पाए। इसके बाद खेल कुछ देर के लिए रुका रहा क्योंकि भारतीय सहयोगी स्टाफ पंत के हाथ का उपचार करने के लिए मैदान में थे। लेकिन खेल फिर से शुरू होने पर वह विकेटकीपिंग करने में असमर्थ हो गए। अंत में बुमराह का ओवर समाप्त होने के बाद पंत मैदान से बाहर चले गए और जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली।

हॉकी क्लब ओरांजे रूड

भारत का शानदार प्रदर्शन, आयरलैंड को लगातार दूसरी बार हराया

एजेंसी ▶▶| आइंडहोवन (नीदरलैंड)

भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने यूरोपीय दौरे पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हॉकी क्लब ओरांजे रूड में आयरलैंड को 6-0 से करारी शिकस्त दी। यह भारत ए की आयरलैंड के खिलाफ लगातार दूसरी जीत है, जिसे उसने दौरे के पहले मैच में 6-1 से हराया था।

उत्तम सिंह ने भारत ए के लिए पहला गोल किया, जिसके बाद कप्तान संजय ने स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद मिडफील्डर मोहम्मद राहील मौसीन ने लगातार दो गोल दागे। अमनदीप लाकड़ा और वरुण कुमार ने एक-एक गोल किया। भारतीय टीम का अगला मुकाबला शनिवार को फ्रांस से होगा। भारतीय कोच शिवेन्द्र सिंह ने कहा कि टीम आयरलैंड के खिलाफ किए गए शानदार प्रदर्शन को फ्रांस के खिलाफ होने वाले मैच में भी जारी रखना चाहेगी।

उन्होंने कहा, 'आयरलैंड के खिलाफ हमारे दो मैच वाकई अच्छे रहे हैं और मैं खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुश हूं। अब हमारा सामना फ्रांस से होगा और मुझे उम्मीद है कि हमारी टीम अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखेगी।' आयरलैंड और फ्रांस के अलावा भारत दो सप्ताह के अपने यूरोपीय दौरे में इंग्लैंड, बेल्जियम और मेजबान नीदरलैंड के खिलाफ भी खेलेगा।

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर 14 से, 33 खिलाड़ियों की घोषणा

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को 14 जुलाई से 7 अगस्त तक साई केंद्र में आयोजित होने वाले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की। यह शिविर भारतीय टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि वह दो बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों (ऑस्ट्रेलिया दौरे और 29 अगस्त से 7 सितंबर तक राजगीर में होने वाले हीरो एशिया कप) की तैयारी कर रही है। एशिया कप का विजेता अगले साल 14 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले एफआईएच पुरुष विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा।

क्लब विश्व कप

पीएसजी ने किया फाइनल में प्रवेश रियाल मैड्रिड को दी करारी शिकस्त

- फैबियान रुइज के दो गोल की मदद से बनाई बढ़त
- रविवार को फाइनल में चेल्सी से होगा सामना

एजेंसी ▶▶| ईस्ट रदरफोर्ड (अमेरिका)

चैंपियंस लीग के चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फैबियान रुइज के दो गोल की मदद से पहले 24 मिनट में तीन गोल की बढ़त बनाकर रियाल मैड्रिड को 4-0 से करारी शिकस्त देकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया, जहां उसका सामना चेल्सी से होगा।

रुइज़ ने छठे मिनट में और ओसमान डेम्बेले ने नौवें मिनट में डिफेंडर राउल असेंशियो और एंटोनियो रुडिगर की गलतियों का फायदा उठाकर गोल दागे। इसके बाद 24वें मिनट में रुइज ने जवाबी हमले में स्कोर 3-0 कर दिया। पीएसजी की तरफ से गोंकालो रामोस ने 87वें मिनट में एक और गोल किया। रियाल के किलियन एमबाप्पे अपनी पूर्व टीम के खिलाफ पहले मैच में किसी भी समय खास चुनौती पेश नहीं कर पाए।

अपना पहला यूरोपीय खिताब जीतने के बाद पीएसजी अब रविवार को होने वाले फाइनल में विश्व चैंपियन बनने के लिए मैदान पर कदम रखेगा। पीएसजी की रियाल मैड्रिड पर इस बड़ी जीत ने चैंपियंस लीग के फाइनल की याद भी ताजा कर दी। उसने तब इंटर मिलान को 5-0 से हराया था।

अंडर-20 महिला फुटबॉल : 13 और 16 जुलाई को भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मैच

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि भारतीय अंडर-20 महिला टीम 13 और 16 जुलाई को ताशकंद में उज्बेकिस्तान अंडर-20 टीम के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलेगी। ये दोनों मैच म्यांमार में 6 से 10 अगस्त तक होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर के लिए टीम की तैयारियों का हिस्सा होंगे। स्वीडिश कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने 24 सदस्यीय भारतीय की घोषणा की जो गुरुवार रात बेंगलुरु से रवाना होगी। टीम भी बेंगलुरु में ही तैयारी कर रही है। भारत एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप क्वालीफायर में इंडोनेशिया (छह अगस्त), तुर्कमेनिस्तान (आठ अगस्त) और म्यांमार (10 अगस्त) से यंगून में भिड़ेगा। सभी 8 ग्रुप के विजेता और तीन सर्वश्रेष्ठ उपविजेता टीम अगले साल थाईलैंड में होने वाले फाइनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए कप्तानी की कमान राधा को, टिटास और श्रेयंका टीम में शामिल

नई दिल्ली। ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल और तेज गेंदबाज टिटास साधु को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए गुरुवार को भारत ए महिला टीम में चुना गया। वहीं बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव टी20 अंतरराष्ट्रीय, एकदिवसीय और चार दिवसीय मुकाबले में टीम की कप्तानी करेंगी। चोटों से वापसी करने वाली श्रेयंका और टिटास को ऑस्ट्रेलियाई दौरे की टीम में शामिल किया गया, जो 7 से 24 अगस्त के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय, इतने ही वनडे और चार दिवसीय एक मैच खेलेगी। श्रेयंका पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में हुए महिला टी20 विश्व कप के बाद से चोट के कारण नहीं खेल पा रही थीं। उन्हें सितंबर में महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) में खेलने के लिए गत चैंपियन बारबाडोस रॉयल्स ने पहले ही चुन लिया है। वहीं साधु श्रीलंका में त्रिकोणीय श्रृंखला में नहीं खेली थीं और चोट के कारण अप्रैल में इंग्लैंड के मौजूदा सफेद गेंद के दौरे के लिए भी टीम में नहीं थीं।

लॉर्ड्स के एमसीसी संग्रहालय में लगा सचिन का पोर्ट्रेट

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट मैच की शुरुआत से पहले गुरुवार को लॉर्ड्स के एमसीसी (मेरिलबोन क्रिकेट क्लब) संग्रहालय में बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के चित्र (पोर्ट्रेट) का अनावरण किया गया। यह पोर्ट्रेट स्टुअर्ट पियर्सन राइट ने 18 वर्ष पहले अपने घर पर ली गई एक तस्वीर से बनाया है। यह पोर्ट्रेट इस वर्ष के अंत तक एमसीसी संग्रहालय में रहेगा और उसके बाद इसे पवेलियन में लगाया जाएगा। 'जैसे-जैसे काम आगे बढ़ा, पियर्सन राइट का दृष्टिकोण भी बदलता गया और अंततः घिसे हुए एल्युमीनियम पर तेल की चित्रकारी के साथ यह समाप्त हुआ। इसमें अमूर्त पृष्ठभूमि तेंदुलकर की कालातीतता को दर्शाती है, जो किसी युग तक सीमित नहीं है।' पियर्सन राइट ने इससे पहले कपिल देव, बिशन सिंह बेदी और दिलीप वेंगसरकर के चित्र बनाए हैं। तेंदुलकर ने कहा, 'यह बहुत बड़ा सम्मान है। भारत ने जब 1983 में विश्व कप जीता था, तब लॉर्ड्स से मेरा पहला परिचय हुआ था।' उन्होंने कहा, 'मैंने हमारे कप्तान कपिल देव को ट्रॉफी उठाते देखा। उस पल ने क्रिकेट में मेरे सफर को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज जब पवेलियन में मेरा पोर्ट्रेट लगाया गया है, तो ऐसा लग रहा है जैसे मेरा सफर पूरा हो गया हो। जब मैं अपने करियर के बारे में सोचता हूं तो मेरे चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। यह वाकई खास है।'' विज्ञप्ति में कहा गया है, ''लॉन्ग रूम गैलरी खेल जगत की सबसे पुरानी और सबसे प्रतिष्ठित गैलरी है।

भारत ने 5 मैचों की श्रृंखला में 3-1 की बनाई अजेय बढ़त

महिला टी20 : विदेशी धरती पर लहराया भारत का परचम

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

भारत ने अपने स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत चौथे मैच में छह विकेट से जीत हासिल कर इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीतकर नया इतिहास रचा। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है। अंतिम मैच शनिवार को बर्मिंघम में खेला जाएगा।

भारत ने 2006 में डर्बी में खेले गए एकमात्र टी-20 मैच में इंग्लैंड को हराया था। उसके बाद से भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू और विदेशी धरती पर खेली गई प्रत्येक महिला टी-20 श्रृंखला में हारती रही थी। बुधवार की रात को खेले गए मैच में भारत की शानदार जीत में स्पिन गेंदबाजों ने अहम भूमिका निभाई।

जीत में स्पिन गेंदबाजों ने अहम भूमिका

राधा यादव (2/15), श्री चरणी (2/30) और दीप्ति शर्मा (1/29) ने मिलकर पांच विकेट लिए और मेजबान टीम को 7 विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। इसके बाद सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (32) और स्मृति मंधाना (31) ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी करके जीत की नींव रखी। भारतीय टीम ने 17 ओवर में चार विकेट पर 127 रन बनाकर 18 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत के लिए यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप अगले साल इंग्लैंड में खेला जाएगा और इससे उसे यहां की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में मदद मिलेगी।

रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि हम यहां श्रृंखला जीतने में सफल रहे। जिस तरह से हमने इस श्रृंखला में प्रदर्शन किया उससे मुझे अपनी टीम पर गर्व है। लय हासिल करना बहुत महत्वपूर्ण था और जिस तरह से प्रत्येक खिलाड़ी में अपना योगदान दिया उससे मैं बहुत खुश हूं।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड दौरे पर आने से पहले हमने भारत में अभ्यास शिविर में भाग लिया था। हमने अपनी रणनीति पर काम किया था और यहां उस पर अच्छी तरह से अमल किया। हर किसी को अपनी भूमिका पता थी और उसी के अनुसार हमने खेला।' भारत ने इस श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया है। उसने पहले मैच में इंग्लैंड को रिकॉर्ड 97 रन से करारी शिकस्त दी थी और फिर ब्रिस्टल में 24 रन से जीत हासिल की, जो इंग्लैंड की महिला टीम की सबसे छोटे प्रारूप में इस मैदान पर पहली पराजय थी। भारतीय टीम तीसरे मैच में पांच रन से हार गई थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम शुरूआत में ही दबाव में आ गई। भारतीय स्पिनरों राधा और दीप्ति ने पावरप्ले के अंदर ही दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया।

हरियाणा के वीर पायलट मनीष शर्मा को अंतिम सलामी: राजस्थान जगुआर क्रैश में शहीद

-भीड़ ने 'भारत माता की जय' के नारों के साथ दी विदाई

रोहतक। राजस्थान के चुरू में कल (9 जुलाई) इंडियन एयरफोर्स के फाइटर जैट क्रैश में शहीद हुए हरियाणा के रोहतक के पायलट लोकेंद्र सिंह सिंधु (32) की पार्थिव देह घर पहुंच गई है। यहां सैन्य सम्मान से उन्हें अंतिम विदाई दी जाएगी। इसको लेकर उनके रोहतक में देवी कॉलोनी स्थित घर में लोगों की भीड़ जमा हुई है। हरियाणा के यमुनानगर जिले के छोटे से गांव में उस दिन हर गली, हर घर और हर दिल में एक ही नाम गूंज रहा था – फ्लाइट लेफ्टिनेंट मनीष शर्मा। राजस्थान के चूरू में भारतीय वायुसेना का जगुआर फाइटर जेट क्रैश हो गया था, जिसमें मनीष शर्मा ने अपने प्राण देश पर न्यौछावर कर दिए। उनकी अंतिम विदाई में पूरे गांव से लेकर आसपास के इलाकों से हजारों लोग उमड़ पड़े। लोग तिरंगे में लिपटे अपने वीर बेटे को अंतिम सलामी देने के लिए लाइन में खड़े थे, आंखों में आंसू थे, लेकिन दिल में गर्व भी था। लोकेंद्र एयरफोर्स में पायलट के तौर पर भर्ती हुए थे, लेकिन अब स्क्वॉड्रन लीडर थे। शादी के साढ़े 4 साल बाद एक महीने पहले ही 10 जून को वह बेटे के पिता बने थे। शहीद होने से पहले आखिरी उन्होंने वीडियो कॉल पर बेटे का चेहरा देखा था। लोकेंद्र के बड़े भाई ज्ञानेंद्र ने बताया कि लोकेंद्र बुधवार सुबह जगुआर फाइटर जैट पर ट्रेनिंग के लिए निकले थे। को-पायलट को ट्रेनिंग देते वक्त हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि भाई को स्माइल के साथ विदा करेंगे। लोकेंद्र और उनकी बहन अंशी एक ही पद पर तैनात थे, लेकिन बहन रिटायर हो चुकी हैं। जीजा अब भी विंग कमांडर हैं।

को-पायलट को ट्रेनिंग दे रहे थे:

शहीद पायलट लोकेंद्र सिंधु के भाई ज्ञानेंद्र सिंधु ने बताया कि लोकेंद्र जगुआर फाइटर जेट में एक को-पायलेट को ट्रेनिंग दे रहे थे। 2 सीट वाले जगुआर में कंट्रोल को-पायलेट के पास था। इसी दौरान जगुआर 500 फुट से नीचे आ गया। जगुआर में एक कमी यही बताई जा रही है कि जब वह 500 फुट से नीचे आ जाता है तो उसे टेकऑफ करना मुश्किल होता है।

जगुआर नीचे आने से टेकऑफ करना मुश्किल था:

ज्ञानेंद्र ने आगे बताया- एयरफोर्स में ट्रेनिंग के दौरान एक पायलेट की जिम्मेदारी होती है कि वह सबसे पहले अपने प्लेन को सुरक्षित रखे, उसके बाद सिविलियन को बचाए और बाद में खुद को बचाए। इस घटना में जगुआर इतना नीचे आ गया था कि उसे टेकऑफ करना मुश्किल हो गया तो वह प्लेन को नहीं बचा सकते थे। जगुआर गांव के ऊपर से उड़ रहा था, उसे बचाने के लिए उन्होंने अपने प्राणों की चिंता नहीं की और जैट को दूर ले जाते शहीद हो गए।

सिंगल सीट वाले जगुआर में होता तो बच जाते:

ज्ञानेंद्र सिंधु ने बताया कि लोकेंद्र सिंधु अगर सिंगल सीट वाले जगुआर को उड़ा रहा होता तो वह बच जाता। क्योंकि लोकेंद्र अधिकतर सिंगल सीट वाले जगुआर को ही उड़ाता था। जनवरी में लोकेंद्र से मिलने गया था तो उसने बताया कि कैसे अगर जगुआर में कुछ दिक्कत आती है तो वह अपने आप को सुरक्षित कर सकता है। 4 से 5 सिस्टम बताए थे, जिससे वह सुरक्षित बच सकता था।

पहले मौत को मात दे चुके थे लोकेंद्र:

ज्ञानेंद्र ने बताया कि एक बार छोटा भाई लोकेंद्र सिंधु जब जगुआर को उड़ा रहा था तो उसके प्लेट के ऊपर की कैनोपी हवा में उड़ गई थी। इसके बाद भी लोकेंद्र ने अपनी कुशलता दिखाते हुए प्लेन को सुरक्षित लैंड करवा दिया था। लोकेंद्र की खासियत थी कि वह कभी किसी से ऊंची आवाज में बात भी नहीं करता था।

शादी के साढ़े चार साल बाद पैदा हुआ था बेटा:

ज्ञानेंद्र ने बताया कि लोकेंद्र सिंधु की शादी डॉ. सुरभि के साथ 25 नवंबर 2020 को हुई थी। शादी के करीब साढ़े चार साल बाद 10 जून को बेटा होने की खुशी मिली थी। इसी दौरान मां अनीता देवी की भी रिटायरमेंट हुई थी। लोकेंद्र के ड्यूटी जॉइन करने से 10 दिन पहले ही यानी 30 जून को बेटे के जन्म होने पर कार्यक्रम रखा गया था।

लोकेंद्र के पिता जोगेंद्र सिंधु एमडीयू से रिटायर्ड

लोकेंद्र सिंधु के पिता जोगिंदर सिंधु एमडीयू से 2023 में अधीक्षक के पद से रिटायर हुए हैं। बेटा लोकेंद्र भी एमडीयू कैंपस स्कूल में ही 12वीं कक्षा तक पढ़े। इसके बाद उसने एयरफोर्स जॉइन कर ली थी। लोकेंद्र की पहली पोस्टिंग कर्नाटक के बीदर में हुई थी। इसके बाद वह पश्चिम बंगाल में रहे। पश्चिम बंगाल से राजस्थान के सूरतगढ़ में तैनात हुए थे।

पोते को याद कर दादा हो गए भावुक

लोकेंद्र के दादा आर्मी एजुकेशन में हवलदार व बाद में एक्साइज टेक्सेशन ऑफिसर से रिटायर हुए बलवान सिंह सिंधु पोते को याद करते हुए भावुक हो गए। दादा बलवान सिंधु ने बताया कि जब लोकेंद्र ने 12वीं पास की तो उसे एक ब्रिगेडियर के पास लेकर गया था। उस समय लोकेंद्र ने एनडीए का फार्म भर दिया था। ब्रिगेडियर ने लोकेंद्र को कॉफी टिप्स भी दिए और उसका हौसला बढ़ाया। इसके बाद लोकेंद्र ने अपने पहले ही प्रयास में एनडीए की परीक्षा पास कर ली। लोकेंद्र पढ़ाई में शुरू से ही होशियार था।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश, फ्यूल स्विच बंद होने की आशंका, शुरुआती जांच में तकनीकी खराबी नहीं

-आज आ सकती है रिपोर्ट

नई दिल्ली। अहमदाबाद प्लेन क्रैश की शुरुआती जांच में अभी तक बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान में कोई तकनीकी खराबी सामने नहीं आई है। वॉल स्ट्रीट जनरल ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। अमेरिकी मीडिया संस्थान के मुताबिक, प्लेन के दोनों इंजनों में फ्यूल सप्लाई कंट्रोल करने वाले स्विच बंद कर दिए गए थे, जिससे टेकऑफ के तुरंत बाद इंजन में ताकत (थ्रस्ट) खत्म हो गई। पायलट आमतौर पर इन स्विच का इस्तेमाल इंजन चालू करने, बंद करने या किसी आपात स्थिति में रीसेट करने के लिए करते हैं। इधर, हादसे की प्राइमरी जांच रिपोर्ट आज सार्वजनिक हो सकती है। मामले की जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) कर रही है। नियमों के मुताबिक, हादसे के 30 दिनों के भीतर रिपोर्ट अपलोड करनी होती है। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट AI 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।

ब्लैक बॉक्स डेटा ने दिखाया संदिग्ध मूवमेंट

अमेरिका की एविएशन वेबसाइट दि एयर कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लैक बॉक्स के शुरुआती डेटा में दोनों इंजन के फ्यूल स्विच के मूवमेंट की जानकारी सामने आई है। अभी यह साफ नहीं है कि यह मूवमेंट पायलट की गलती से हुआ, तकनीकी खराबी के कारण या किसी और वजह से हुआ है। अमेरिकी एविएशन सेफ्टी एक्सपर्ट जॉन कॉक्स के अनुसार, यह स्विच इतना सेंसिटिव नहीं होता कि गलती से हाथ लगने से चालू हो जाए। इसे जमीन पर ही ऑन/ऑफ किया जाता है।

फ्यूल स्विच क्यों है इतना अहम?

ड्रीमलाइनर विमान के दोनों इंजनों में रन और कटऑफ नाम के दो पोजिशन होते हैं। अगर विमान हवा में है और स्विच कटऑफ पर चला जाए तो इंजन को फ्यूल मिलना बंद हो जाता है, जिससे ताकत (थ्रस्ट) खत्म हो जाती है और बिजली सप्लाई भी रुक सकती है, जिससे कॉकपिट के कई उपकरण भी बंद हो सकते हैं।

एक्सपर्ट बोले- पायलट ने इमरजेंसी में ही फ्यूल स्विच दबाया

एविएशन एक्सपर्ट कैप्टन राकेश राय के मुताबिक, 'कोई भी पायलट विमान में आकर फ्यूल स्विच से खेल नहीं करता। अगर ऐसा किया गया, तो जरूर कोई तकनीकी दिक्कत हुई होगी।' कैप्टन राय ने बोइंग की उस मानक प्रक्रिया (SOP) का हवाला दिया, जिसमें बताया गया है कि डुअल इंजन फेल होने पर पायलट को तुरंत रिएक्ट करना होता है और दोनों स्विच को चालू-बंद कर "EEC" को रीसेट किया जाता है। इसे "विंडमिल स्टार्ट" कहा जाता है, जिससे इंजन फिर से चालू हो सकता है।

राज्य मंत्री बोले थे- यह पहली बार, जब दोनों इंजन फेल

इससे पहले 28 जून को नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया था कि विमान हादसे की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है, जिसमें साजिश (सैबोटाज) की आशंका को भी खंगाला जा रहा है। वहीं, तीन महीने में विस्तृत जांच रिपोर्ट आ सकती है।

विस्तृत रिपोर्ट 3 महीने में आने की संभावना

केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह इंजन फेलियर, फ्यूल सप्लाई की समस्या या कोई तकनीकी गड़बड़ी की वजह से हुआ। ब्लैक बॉक्स भारत में ही है, उसे विदेश नहीं भेजा जाएगा। इसमें मौजूद CVR और FDR की जांच की जा रही है। विस्तृत 3 महीने में रिपोर्ट आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि DGCA (नागर विमानन महानिदेशालय) के आदेश पर एअर इंडिया के सभी 33 ड्रीमलाइनर विमानों की जांच कर ली गई है और सब कुछ सुरक्षित पाया गया है। ये हादसा एक अपवाद था, अब लोग बिना डर के यात्रा कर सकते हैं। AAIB इसकी हर एंगल से जांच कर रहा है। CCTV फुटेज देखे जा रहे हैं और कई एजेंसियां मिलकर जांच में जुटी हैं।'

गुजरात के पूर्व CM विजय रूपाणी का भी निधन हुआ था

एअर इंडिया की उड़ान संख्या AI 171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। इनमें 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात शामिल हैं। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया।

बिजनेसमैन ने दान की 108 करोड़ की प्रॉपर्टी, 2026 से शुरू होंगे एडमिशन

-बीकानेर में बॉर्डर के पास बनेगा राजस्थान का पहला गर्ल्स सैनिक स्कूल

बीकानेर। बीकानेर में राजस्थान का पहला गर्ल्स सैनिक स्कूल शुरू होने जा रहा है। बीकानेर मूल के कोलकात्ता बेस्ड बिजनेसमैन पूनमचंद राठी ने स्कूल के लिए 108 करोड़ की प्रॉपर्टी दान की है। देश में बेटियों को सैनिक स्कूल में पढ़ाने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। राजस्थान के बीकानेर में बॉर्डर के पास बनने वाला यह गर्ल्स सैनिक स्कूल उन परिवारों के लिए उम्मीद की किरण बनेगा, जो बेटियों को आर्मी, नेवी और एयरफोर्स में भेजने का सपना देखते हैं, लेकिन संसाधनों की कमी और सीमावर्ती इलाकों की चुनौतियों के कारण उनके लिए रास्ते मुश्किल हो जाते हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए बीकानेर के ही मूल निवासी और वर्तमान में मुंबई में बसे एक बिजनेसमैन ने अपनी 108 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी दान में दी है। यह दान केवल संपत्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बेटियों की शिक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक संकल्प भी है। राजस्थान में यह पहला गर्ल्स सैनिक स्कूल होगा जो सीमावर्ती क्षेत्र में बनेगा और बेटियों को NCC, सैन्य प्रशिक्षण, अनुशासन, खेल, विज्ञान और टेक्नोलॉजी की आधुनिक सुविधाओं से लैस करेगा। स्कूल का पहला सत्र साल 2026 में शुरू होने की संभावना है। इसके लिए देशभर से एग्जाम के जरिए बेटियों का सिलेक्शन किया जाएगा। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से करीब 150 किलोमीटर दूर जयमलसर गांव में ये स्कूल होगा। इसमें एडमिशन अगले साल से शुरू होंगे। शुक्रवार को एक विशेष समारोह में स्कूल के लिए दान की गई जमीन और बिल्डिंग के डॉक्यूमेंट्स सौंपने का औपचारिक कार्यक्रम होगा। इसमें केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर भी मौजूद रहेंगे।

सबसे पहले जानिए- कौन है प्रॉपर्टी दान करने वाला राठी परिवार

रामनारायण राठी परिवार बीकानेर के जयमलसर से ही संबंध रखता है। कोलकात्ता बेस्ड बिजनेस वाली इस फैमिली की गिनती बड़े बिजनेस घरानों में होती है। फैमिली का टेक्सटाइल और कंस्ट्रक्शन का बिजनेस है। बिजनेस के साथ फैमिली सोशल कार्यों में भी एक्टिव है। विशेषकर बीकानेर जिले में फैमिली की ट्रस्ट ने हॉस्पिटल वार्ड, धर्मशाला, स्कूल की बिल्डिंग सहित कई निर्माण कार्य करवाए हैं। ट्रस्ट के संचालक पूनमचंद राठी ने बताया कि उन्होंने अपने माता-पिता की याद में ये बिल्डिंग और जमीन सरकार को दान में दी है।

एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम देना होगा

सैनिक स्कूल में एडमिशन के लिए अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (AISSEE) पास करना होगा। जो नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) आयोजित करती है। कक्षा 6 और 9 में प्रवेश के लिए ये परीक्षा होती है। परीक्षा में सफल होने के बाद स्टूडेंट का मेडिकल टेस्ट और काउंसलिंग भी होगी। ये एंट्रेंस एग्जाम एनटीए हर साल करवाता है, जिसे शिक्षा विभाग मैनेज करेगा। इस स्कूल में हर क्लास में 80 छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बोले NSA अजीत डोभाल: कहा 9 आतंकी ठिकाने उड़ाए

- भारत का कोई नुकसान नहीं हुआ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने पहली बार ऑपरेशन सिंदूर पर खुलकर बयान दिया है। डोभाल ने कहा, "लोग सवाल उठा रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में क्या हुआ। मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि अगर किसी के पास एक भी फोटो है जिसमें भारत का नुकसान दिखता हो, तो सामने लाए। हमने 9 आतंकी लॉन्च पैड और ठिकाने उड़ाए, उनका इंफ्रास्ट्रक्चर खत्म कर दिया, उनके पास खड़े वाहन और कम्युनिकेशन टावर तबाह कर दिए। हमें एक भी जवान का नुकसान नहीं हुआ, और भारत की सीमा पूरी तरह सुरक्षित रही।" डोभाल का यह बयान ऐसे समय आया है जब विपक्ष लगातार इस ऑपरेशन की सफलता पर सवाल उठा रहा था। पिछले महीने भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में घुसकर आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। माना जाता है कि यह हमला उरी और पुंछ हमलों का बदला लेने के लिए किया गया था। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजित डोभाल ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा कि कई विदेशी मीडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर सवाल उठाए। भारत को नुकसान की खबरें चलाईं।उन्होंने कहा कि विदेश मीडिया कोई भी फोटो या सैटेलाइट इमेज नहीं दिखा पाया। ना यह बता पाया कि नुकसान क्या हुआ। डोभाल ने यह बात शुक्रवार को IIT मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में कही।

NSA ने कहा- वे कहते रहे कि पाकिस्तान ने ये किया, वो किया लेकिन मुझे एक फोटो दिखाइए जिसमें भारत का नुकसान नजर आए। यहां तक कि एक शीशा भी टूटा हो। हमसे कोई चूक नहीं हुई। हम उस पॉइंट तक सटीक थे जहां हमें पता था कि कौन कहां है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की हत्या कर दी थी। इसके जवाब में भारत ने 7 मई को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) और पाकिस्तान में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। इस दौरान सेना ने 100 आतंकी मार गिराए थे। दोनों देशों के बीच 10 मई की शाम 5 बजे से सीजफायर पर सहमति बनी थी।

NSA ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर पर हमें नाज

डोभाल ने कहा, 'टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण होता है। हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है। हमें गर्व है कि इस दौरान हमने स्वदेशी तकनीक इस्तेमाल की। हमने सीमापार नौ पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले का फैसला किया था। इनमें एक भी ठिकाना बॉर्डर के पास नहीं था। हमारे सभी निशाने सटीक थे। हमने सिर्फ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया।' उन्होंने कहा, आप एक ऐसे देश, एक ऐसी सभ्यता से ताल्लुक रखते हैं, जो हजार सालों से संकटग्रस्त और लहूलुहान रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ सहा है। मुझे नहीं पता कि राष्ट्र की इस धारणा को जिंदा रखने के लिए उन्होंने कितना अपमान और तकलीफ सही होगी। राष्ट्र, राज्य से अलग होता है। भारत एक राष्ट्र के रूप में हजारों सालों से अस्तित्व में है।' भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कई एयरबेस पर हमले किए थे। इसमें एयरबेस के रनवे, हैंगर और इमारतों को नुकसान पहुंचा था। इनमें सरगोधा, नूर खान (चकलाला), भोलारी, जैकोबाबाद, सुक्कुर और रहीम यार खान एयरबेस शामिल हैं।

एयरबेस पर हुए नुकसान की हाई क्वालिटी सैटेलाइट तस्वीरें 14 मई को सामने आई थीं। एयर मार्शल एके भारती ने 12 मई को बताया था कि भारत ने पाकिस्तान के अंदर चुनिंदा मिलिट्री टारगेट को निशाना बनाया था।

9 आतंकी लॉन्च पैड और ठिकाने तबाह, 40 से ज्यादा आतंकी मारे गए

खुफिया सूत्रों के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने पीओके में स्थित 9 आतंकी लॉन्च पैड और उनके ट्रेनिंग कैंप्स को टारगेट किया। इन हमलों में करीब 40 से ज्यादा आतंकियों के मारे जाने की जानकारी है। डोभाल ने इसे लेकर कहा, "हमारा उद्देश्य केवल आतंकी ठिकानों को खत्म करना था। हमने उनके लॉन्चिंग पॉइंट, हथियार डिपो, संचार टावर और गाड़ियों को निशाना बनाया ताकि वे दोबारा भारत में घुसपैठ न कर सकें।"

पहलगाम में 11 लोगों की जान बचाने वाले आज बेरोजगार, आतंकियों से भिड़े आदिल की मां बोलीं

-बेटा खोया, दिल में अब भी डर

पहलगाम। कश्मीर की खूबसूरत वादियां जहां एक तरफ दुनिया को अपनी हसीनियत से खींच लाती हैं, वहीं यहां की जमीनी हकीकत कई बार आंखें नम कर देती है। ऐसी ही एक कहानी है अनंतनाग के पहलगाम इलाके की, जहां नजाकत नाम के एक युवक ने अपनी जान की परवाह न करते हुए 11 लोगों की जान बचाई, लेकिन आज वही नजाकत अपनी रोजी-रोटी के लिए मोहताज है। वहीं दूसरी ओर, आतंकियों से लोहा लेने वाले आदिल की मां की आंखें आज भी अपने बेटे को याद कर भीग जाती हैं। उनका कहना है कि बेटा खो दिया, पर दिल में आज भी डर कायम है। '22 अप्रैल की घटना के बाद टूरिज्म बिल्कुल ठप पड़ा है। पहले एक पोनी वाला दिन में 3 हजार से 4 हजार रुपए कमा लेता था, लेकिन हमले के बाद सब ठप हो गया। हमारी रोजी-रोटी टूरिज्म से ही चलती है। मेरी दो बेटियों की पढ़ाई का खर्च भी इसी से निकलता है।' पहलगाम में पोनी चलाने वाले गाइड नजाकत अहमद शाह आतंकी हमले के वक्त मौके पर ही मौजूद थे। उन्होंने 11 टूरिस्ट्स की जान बचाई थी। अब पहलगाम हमले को ढाई महीने से ज्यादा बीत चुके हैं, लेकिन टूरिज्म पटरी पर नहीं लौट सका है। हालांकि, अमरनाथ यात्रा से थोड़ी-बहुत कमाई जरूर शुरू हुई है, लेकिन टूरिज्म के भरोसे रोजी-रोटी चला रहे लोगों के हालात नहीं सुधरे हैं। उन परिवारों की तकलीफ और भी ज्यादा है, जिन्होंने इन हमलों में अपनों को खो दिया। आतंकी हमले में जान गंवाने वाले कश्मीर के आदिल हुसैन का परिवार अब तक न उन्हें खोने के गम से उबर पाया है और न हमले के खौफ से। आदिल की मां बेबीजान कहती हैं, 'जब छोटा बेटा घर से घोड़ा लेकर निकलता है तो बस मन में उसकी सलामती की ही फिक्र रहती है।' पहलगाम हमले के बाद टूरिज्म पर निर्भर लोगों का क्या हाल है? हमले के बाद चर्चा में आए जिप लाइन ऑपरेटर मुजम्मिल, टूर गाइड सज्जाद और पोनी चलाने वाले गाइड नजाकत अहमद शाह किस हाल में हैं? आतंकियों की गोली लगने से जिन आदिल हुसैन की मौत हुई थी, उनका परिवार कैसी जिंदगी जी रहा है? ये जानने दैनिक भास्कर की टीम ग्राउंड पर पहुंची।

सबसे पहले आदिल के परिवार से बात...

मां बोलीं- हालात पहले से बेहतर, लेकिन दिल में अब भी डर

बायसरन घाटी में जान गंवाने वालों में खच्चर चलाने वाले गाइड आदिल हुसैन अकेले मुस्लिम थे। आतंकियों ने उन्हें 3 गोलियां मारी थीं। आदिल का घर पहलगाम से करीब 20 किमी दूर अनंतनाग के हापतनार में है। हम आदिल के परिवार का हाल जानने के लिए उनके घर पहुंचे। घर नए सिरे से बनाया जा रहा है। आदिल के पिता सैयद हैदर शाह उसकी याद में स्मारक बनाने की मांग करते हुए कहते हैं, 'स्मारक आदिल की याद को हमेशा जिंदा रखेगा।' परिवार के हाल पर सैयद बताते हैं, 'आदिल की मां की तबीयत खराब रहती है। वो पहले से थोड़ी कमजोर हैं। आस-पास के लोग दुख बांटने आते-जाते रहते हैं, जिससे थोड़ा सहारा मिलता है।' अब आदिल का छोटा भाई नौशाद टूरिस्ट्स के लिए गाड़ी चलाता है। मां बेबीजान उसी सेफ्टी को लेकर परेशान रहती हैं। वे कहती हैं, 'आदिल के जाने के बाद कुछ ठीक नहीं लगता। मेरी तबीयत भी खराब रहती है। हालांकि, अब सुधर रही है। मेरा छोटा बेटा टूरिस्ट्स के लिए गाड़ी चलाता है और भाई का बेटा घोड़ा लेकर जाता है। डर तो बहुत लगता है, लेकिन मजबूरी है। अगर वो काम पर न जाएं तो घर कैसे चलेगा? कमाएगा कौन?' वे कहती हैं कि पिछले दो महीने में जिंदगी थोड़ी बेहतर हुई हैं, लेकिन दिल में डर बना रहता है। सब कुछ वैसा नहीं है, जैसा पहले था।

बहू को सरकारी नौकरी मिलने से पिता नाखुश आदिल के परिवार को सरकार ने 16 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी और आदिल की पत्नी को सरकारी नौकरी मिली है। हालांकि, सैयद, बहू को सरकारी नौकरी मिलने से खुश नहीं हैं। वे कहते हैं, 'आदिल की शादी को 6 साल हो चुके हैं, लेकिन उसकी पत्नी पिछले 5 साल से मायके में ही रह रही है, क्योंकि उनके रिश्ते अच्छे नहीं थे। इसलिए हम चाहते थे कि नौकरी हमारे छोटे बेटे को मिले। मैंने LG से कहा है कि हमारी रोजी-रोटी का ख्याल रखा जाए।' आदिल के घर से 3-4 मकान छोड़कर ही उनकी पत्नी गुलनाज रहती हैं।

शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे: चार दिन बढ़ा मिशन

-अंतरिक्ष में पूरे किए अहम प्रयोग

टेक्सास। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे। अमेरिकी स्पेस एजेंसी NASA ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। एक्सियम-4 मिशन के तहत शुभांशु सहित चार क्रू सदस्य इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) पहुंचे थे। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अब 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे। पहले उनकी वापसी 10 जुलाई को तय थी, लेकिन मिशन को चार दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। इस समय वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर अपने वैज्ञानिक प्रयोग और तकनीकी मिशन पूरे कर रहे हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने संयुक्त रूप से इस मिशन की अवधि बढ़ाने का फैसला लिया ताकि अंतरिक्ष में कुछ महत्वपूर्ण प्रयोग और स्टेशन की तकनीकी जांच पूरी की जा सके। एक्सियम मिशन को 25 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। ड्रैगन अंतरिक्ष यान 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉक किया गया था। हालांकि, यह मिशन 14 दिनों का था। अब एस्ट्रोनॉट की वापसी चार दिन देरी से होगी। इससे पहले 6 जुलाई को शुभांशु के ISS स्टेशन से कुछ तस्वीरें सामने आईं थीं। जिसमें शुभांशु कपोला मॉड्यूल के विंडो से पृथ्वी देखते नजर आ रहे थे। कपोला मॉड्यूल एक गुंबदनुमा ऑब्जर्वेशन विंडो है, जिसमें 7 खिड़कियां होती हैं।

शुभांशु ने PM से कहा था- अंतरिक्ष से कोई सीमा नहीं दिखती

प्रधानमंत्री मोदी ने 28 जून को शुभांशु से वीडियो कॉल पर बातचीत की थी। उन्होंने पूछा कि अंतरिक्ष को देखकर उन्हें सबसे पहले क्या महसूस हुआ, तो ग्रुप कैप्टवन शुक्ला ने कहा, 'अंतरिक्ष से, आपको कोई सीमा नहीं दिखती। पूरी पृथ्वी एकजुट दिखती है।' शुभांशु ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा- अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है। हम दिन में 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शुभांशु शुक्ला से पूछा कि आप गाजर का हलवा लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए हैं। क्या आपने अपने साथियों को खिलाया। इस पर शुभांशु ने कहा कि हां साथियों के साथ बैठकर खाया।

एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा हैं शुभांशु शुक्ला

शुभांशु शुक्ला एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा हैं, जिसकी एक सीट के लिए भारत ने 548 करोड़ रुपए चुकाए हैं। यह एक प्राइवेट स्पेस फ्लाइट मिशन है, जो अमेरिकी स्पेस कंपनी एक्सियम, NASA और स्पेसएक्स की साझेदारी से हो रहा है। यह कंपनी अपने स्पेसक्राफ्ट में निजी अंतरिक्ष यात्रियों को ISS भेजती है। शुभांशु ISS में इंडियन एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स के 7 प्रयोग करेंगे। इनमें ज्यादातर बायोलॉजिकल स्टडीज हैं। वे NASA के साथ 5 अन्य प्रयोग करेंगे, जिसमें लंबे अंतरिक्ष मिशन के लिए डेटा जुटाएंगे। इस मिशन में किए गए प्रयोग भारत के गगनयान मिशन को मजबूत करेंगे।

41 साल बाद कोई भारतीय एस्ट्रोनॉट अंतरिक्ष में गया

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,